मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 121
शुक्रवार, 13 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

2047 का इंतजार मत कीजिए, छोटे-छोटे संकल्पों से ही हासिल होगा विकसित भारत का लक्ष्यः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित पारंपरिक 'दीवाली मिलन' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया कर्मियों से खुलकर बातचीत की, पत्रकारिता और राजनीतिक संचार में पिछले कुछ दशकों में आए भारी बदलावों पर चर्चा की तथा देश के विकास के भविष्य पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने अपने राजनीतिक जीवन के शुरूआती दिनों से जुड़े कई संस्मरण भी याद किए। बीजेपी में अपने शुरूआती दिनों को याद करते हुए, मोदी ने 1990 के दशक का एक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे अचानक पत्रकारों का एक समूह पार्टी कार्यालय में उनके कमरे में आ धमका और उनसे कहा कि वे गुजरात के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने मीडिया और राजनीतिक संचार में आए बदलावों पर भी बात की-फैक्स मशीनों और प्रेस रिलीज के दौर से लेकर आज के इंस्टाग्राम रील्स के युग तक। उन्होंने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के सफर पर चर्चा करते हुए कहा कि अगर देश रास्ते में आने वाले छोटे-बड़े लक्ष्यों को पूरा करता रहे, तो यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

11 अशोक रोड स्थित बीजेपी मुख्यालय के दिनों को याद करते हुए, मोदी ने बताया कि 1990 के दशक की शुरूआत में दो बड़ी देशव्यापी यात्राओं के दौरान उन्हें



व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने बताया कि उस समय संचार का तरीका बिल्कुल अलग था; एक प्रेस रिलीज भेजने के लिए भी फैक्स मशीन की जरूरत पड़ती थी।

पत्रकारों के साथ हुए उस अनपेक्षित वाकये को साझा करते हुए उन्होंने कहा, मुझे यह बिल्कुल साफ याद है। पता नहीं आप लोगों के पास कौन सी ऐसी शक्ति है जो हमें परेशान करती रहती है! उस समय किसी को इस बारे में पता नहीं था। पार्टी के केवल दो-चार वरिष्ठ लोगों को ही इसकी जानकारी थी। मैं 11 अशोक रोड पर एक कमरे में ठहरा हुआ था। अचानक एक दिन, पत्रकारों का एक समूह मेरे कमरे में आ गया। उस समय वहां महिलाओं की एक टोली (महिला ब्रिगेड) हुआ करती थी।

उन्होंने मुझसे कहा, 'हमें मिठाई खिलाइए!' जब मैंने पूछा कि क्यों, तो उन्होंने कहा, 'आप गुजरात जा रहे हैं, आप मुख्यमंत्री बनने वाले हैं।' उस समय बहुत कम लोगों को यह बात पता थी, लेकिन उन्हें किसी तरह पता चल गया था। और उन्होंने जो कहा था, वह आखिरकार सच साबित हुआ।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर गौर किया कि कैसे पिछले कुछ वर्षों में पत्रकारिता और राजनीतिक संचार, दोनों में काफी बदलाव आए हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार जब रिपोर्टिंग से संपादकीय पदों पर जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से उनकी जिम्मेदारियां बदल जाती हैं। सरकार में आने के बाद उनकी अपनी जिम्मेदारियों में भी कुछ ऐसा ही बदलाव आया है।

नेपाल में बड़ा सड़क हादसा: यात्रियों से भरी इलेक्ट्रिक वैन 500 मीटर गहरी खाई में गिरी, 10 की मौत; पांच घायल

महराजगंज, 12 नवम्बर। नेपाल के मकवानपुर जिले में बृहस्पतिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। भीमफेदी गांवपालिका-6 स्थित चिसापानी गढ़ी के पास यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक वैन (ईवी) अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 500 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया।

जानकारी के अनुसार, मधेश प्रदेश 03-001 ज 0880 नंबर की इलेक्ट्रिक वैन काठमांडू से सलार्ही की ओर जा रही थी। इसी दौरान भीमफेदी-कुलेखानी-काठमांडू सड़कखंड पर चिसापानी गढ़ी के पास वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में सलार्ही



जिले के चक्रघट्टा गांवपालिका-4 सुंदरपुरटोल निवासी 33 वर्षीय मुकेश यादव, पांच वर्षीय सक्षम कुमार यादव और तीन वर्षीय सुदन यादव शामिल हैं। हेटौंडा अस्पताल में भर्ती मुकेश यादव के सिर और पीठ में चोट आई है, जबकि सक्षम कुमार यादव के शरीर में अंदरूनी चोटें लगी हैं। दोनों की हालत सामान्य बताई गई है। वहीं तीन वर्षीय सुदन यादव के सिर और मुंह में चोट आई है। उनकी स्थिति मध्यम बताई गई है।

सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल के सहप्रवक्ता शैलेन्द्र थापा ने बताया कि दुर्घटना में कुल 10 लोगों की मौत हुई है और पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से राहत एवं बचाव कार्य किया गया। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

कुरुंग कुमे जिले में भीषण आग लगने से 20 घर जलकर हुए खाक और 4 की मौत

अरुणाचल प्रदेश, 12 नवम्बर। अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिले में स्थित पारसी पारलो में गुरुवार तड़के लगी भीषण आग में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 20 घर जलकर राख हो गए। 21-कोलोरियांग विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक पानी तारम ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और तत्काल राहत कार्य शुरू करने की मांग की है। एक्स पर एक पोस्ट में रिजिजू ने कहा कुरंग कुमे जिले के पारसी-पारलो सर्कल में लगी भीषण आग दिल दहला देने वाली है। मेरी संवेदनाएं इस त्रासदी से प्रभावित हर परिवार के साथ हैं; इनमें से कई लोगों ने अपने घर खो दिए हैं और वे भारी कठिनाइयों का सामना



कर रहे हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए, रिजिजू ने लापता लोगों के सुरक्षित लौटने की प्रार्थना की। उन्होंने प्रभावित परिवारों को समय पर राहत और सहायता पहुंचाने के लिए स्थानीय प्रशासन और आपातकालीन सेवाओं के साहस और जज्बे की सराहना की। उन्होंने कहा, जिन परिवारों ने अपने अपनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। लापता लोगों के सुरक्षित लौटने और प्रभावित सभी लोगों को हिम्मत मिलने की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने आगे कहा मैं स्थानीय प्रशासन, आपातकालीन सेवाओं, स्वयंसेवकों और निवासियों सहित उन सभी लोगों की तारीफ करता हूं जो मौके पर दिन-रात काम कर रहे हैं। प्रभावित हर परिवार को समय पर राहत और सहायता पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आगे की जानकारी का इंतजार है।

दुनिया समाधान के लिए भारत की ओर देख रही हैः मोहन भागवत

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि आज वैश्विक स्तर पर उभर रही चुनौतियों के समाधान के लिए पूरी दुनिया भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। नागपुर में दत्ता मेघे फाउंडेशन के पशु चिकित्सा और कृषि कॉलेज के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि भारत अपने समृद्ध पारंपरिक ज्ञान और सदियों पुराने अनुभवों का उपयोग करके विश्व को सतत विकास का एक नया और संतुलित मॉडल दे सकता है। भागवत ने कहा कि मानव कल्याण के लिए जैव विविधता, पारिस्थितिकी, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण बहुत जरूरी हैं। उन्होंने ऐसी जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया, जो केवल खुद के बारे में नहीं, बल्कि सभी के कल्याण को सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा, जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण ऐसा होना चाहिए जिसमें केवल 'मेरा जीवन' ही नहीं, बल्कि 'सबका जीवन' शामिल हो।

अंग्रेजी में इसे 'वन हेल्थ' कहा जाता है। यह शब्द और इसके पीछे की अवधारणा आधुनिक दुनिया में पिछले 20-30 वर्षों में सामने आई है। हालांकि, भागवत ने कहा कि भारत में यह विचार सदियों से मौजूद है- किसी अंग्रेजी शब्द के रूप में नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन जीवनशैली और परंपराओं के माध्यम से।

अगर पर्यावरण स्वस्थ नहीं है, तो हम भी स्वस्थ नहीं रह सकते। इसी तरह, जब जानवरों का स्वास्थ्य बिगड़ता है, तो इससे न केवल उनकी उत्पादकता प्रभावित होती है, बल्कि जानवरों से इंसानों में बीमारियां भी फैल सकती हैं।



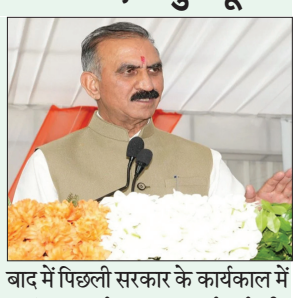
विज्ञान में इस प्रक्रिया को 'जूनोसिस' कहा जाता है। अगर इंसान खुद स्वस्थ नहीं हैं- और पर्यावरण तथा पशु जगत के महत्व को नहीं समझते हैं- तो पूरी सृष्टि खतरे में पड़ सकती है। आज की आधुनिक दुनिया अपने अनुभवों से इस सच्चाई को समझ रही है, जबकि भारत में यह समझ प्राचीन काल से ही मौजूद है।

यही कारण है कि हमारी परंपराओं और त्योहारों में भी प्रकृति और जानवरों के प्रति सम्मान झलकता है। हमने हाल ही में दिवाली मनाई, जिसकी शुरूआत गोवत्स द्वादशी से होती है—यह दिन गाय की पूजा के लिए समर्पित है। गोवर्धन पूजा के दौरान भी गाय के गोबर का विशेष महत्व होता है। उन्होंने कहा, आज दुनिया भी गोबर की उपयोगिता और महत्व को समझने लगी है। भारत का दृष्टिकोण हमेशा से समग्र और व्यापक रहा है। हमारा देश प्राचीन है और यहाँ जीवन का अनुभव भी उतना ही पुराना है। बहुत पहले, हमारे पूर्वजों ने-उन चुनौतियों और अनुभवों से सीखकर, जिनसे आज पूरी दुनिया गुजर रही है-एक जीवन-शैली विकसित की थी। अब, दुनिया धीरे-धीरे उस जीवन-शैली के महत्व को समझने लगी है।

'वन हेल्थ' की अवधारणा इसका एक उदाहरण है। अब तक, दुनिया में यह सोच प्रचलित थी कि इंसान प्रकृति के मालिक हैं, और इसलिए वे अपनी मर्जी से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन अब यह समझ विकसित हो रही है कि हम प्रकृति के मालिक नहीं हैं, बल्कि इसी सृष्टि और ब्रह्मांड का एक हिस्सा हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी प्रकृति पर और एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

हिमाचल में नहीं बिकेगी कोई सरकारी संपत्ति, पीटरहॉफ विवाद पर बोले सीएम सुक्खू

हिमाचल। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर के इन आरोपों का कड़ा खंडन किया कि कांग्रेस सरकार सरकारी संपत्तियां बेच रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार के रहते किसी भी सार्वजनिक संपत्ति को न तो बेचा जाएगा और न ही उसे लुटने दिया जाएगा। शिमला में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए, सुक्खू ने ऐतिहासिक 'पीटरहॉफ' संपत्ति से जुड़े विवाद पर कहा कि सरकार का इसे बेचने का कोई इरादा नहीं है। इसके बजाय, सरकार वहां लगभग 100 कमरों वाली एक बड़ी और बेहतर सुविधा विकसित करने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा पता नहीं जय राम ठाकुर क्यों इस तरह के बयान देते हैं। पीटरहॉफ में लीकेज की समस्या आ गई है और इसकी हालत खराब हो गई है। पुराना पीटरहॉफ आग लगने से नष्ट हो गया था, और



बाद में पिछली सरकार के कार्यकाल में वहां एक नई इमारत बनाई गई थी। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार 'पीटरहॉफ' को और बेहतर और बड़ा बनाने पर काम कर रही है। इसमें कम से कम 100 कमरे होंगे, ताकि वहां मिलने वाली सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सके। बीजेपी पर निशाना साधते हुए सुक्खू ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने एक खास पैकेज के तहत लगभग 5,000 बीघा जमीन 99 साल की लीज पर दे दी थी। इसके लिए सिर्फ एक रुपये की मामूली रकम ली गई और कोई उचित रजिस्ट्रेशन भी नहीं कराया गया।

8 दिन की सीबीआई रिमांड खत्म, महादेव बेटिंग ऐप मामले में सौरभ चंद्राकर 19 नवंबर तक जेल में रहेगा

नई दिल्ली। महादेव बेटिंग ऐप मामले के कथित मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को रायपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। CBI की एक विशेष अदालत ने उसे 19 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह आदेश सीबीआई की आठ दिन की रिमांड पूरी होने के बाद आया है। सीबीआई ने इस मामले में 18 दिसंबर 2024 को FIR दर्ज की थी और छत्तीसगढ़ राज्य आर्थिक अपराध ब्यूरो (EOW) से जांच अपने हाथ में ले ली थी। यह जांच छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचनाओं के बाद सीबीआई को सौंपी गई थी।

प्रत्यर्पण के बाद, 1 नवंबर को चंद्राकर को ओमान से भारत वापस लाया गया। उसके खिलाफ इंटरपोल का 'रेड कॉर्नर नोटिस' जारी होने के



बाद, रॉयल ओमान पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया था। भारत लौटने पर, सीबीआई ने उसे अपनी हिरासत में लिया और उसे रायपुर ले जाने के लिए दिल्ली की एक अदालत से दो दिन का ट्रांजिट रिमांड हासिल किया। 4 नवंबर को उसे रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया, जिसने एजेंसी को उससे पूछताछ करने के लिए आठ दिन का समय दिया। रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद, अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीबीआई ने कथित सट्टेबाजी नेटवर्क से जुड़े दो मामलों में चंद्राकर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इसके अलावा, प्रवर्तन निदेशालय (ED) भी उसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की एक अलग जांच कर रहा है। रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत ने 9 सितंबर, 2026 को उसके खिलाफ एक ओपन-एंडेड गैर-जमानती वारंट जारी किया था।

जांच इस आरोप पर केंद्रित है कि चंद्राकर और उनके सहयोगी रवि उप्पल ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर, 'महादेव बुक' ऐप को बढ़ावा दिया और एक अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क चलाया।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
— Since 1992 —
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध



Wish you a very happy
Diwali & New Year
शुभ दीपावली, भैया दूज
और महापर्व छठ पूजा की हार्दिक बधाई।
Clean Green Energy
PURE GAS PRODUCT
O2
For oxygen, nitrogen, hydrogen, argon, CO2, D/A, Helium & Spl. Gases
ONLY TRUSTED AND FRIENDLY NAME IN BOISAR - TARAPUR
Safe, Reliable & High Quality Gases for a Better Tomorrow
Quality Assurance
Trusted Service
On Time Delivery
Go Green Save Earth
Proprietor: Mr. Varoon Chaube
Mobile no: 7798320789 / 9561533984 / 869870568
Address: W-12 MIDC Tarapur, near Camlin Naka.

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती



-ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल



तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है। इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना। दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी? पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है। कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन-दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे। यही वास्तविक सतत विकास है। आज सीओपी-31 से दुनिया को एक और घोषणापत्र की नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति, आर्थिक प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता है। जलवायु संकट की घड़ी में निष्क्रियता भी एक प्रकार का निर्णय है और उसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। धरती हमें चेतावनी दे रही है। तापमान बढ़ रहा है, समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है और शहरों की हवा जहरीली हो रही है। अब भी समय है कि मानवता अपनी विकास-दृष्टि पर पुनर्विचार करे। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां यह सवाल जरूर पूछेंगी-जब खतरा स्पष्ट दिखाई दे रहा था, तब दुनिया ने कार्रवाई करने में इतनी देर क्यों की?

अपना घर संभलता नहीं, पर आतंक का निर्यात जारी: पाकिस्तान को अब निर्णायक सबक सिखाना ही होगा



अशोक भाटिया

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के मीर बाजार स्थित अखरान इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के नाके पर हुआ कायराना आतंकी हमला एक बार फिर सीमा पार से संचालित हो रही आतंकी फैक्ट्री की हताशा और दुस्साहस का प्रमाण है। दिनदहाड़े मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए आतंकियों ने महज पंद्रह सेकंड के भीतर तीस राउंड गोलियां बरसाकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि घाटी में अमन-चैन की बहाली उन्हें रास नहीं आ रही है। इस हमले में की 46वीं बटालियन के तीन जांबाज जवान घायल हुए हैं, जिन्होंने घायल अवस्था में भी अदम्य साहस का परिचय देते हुए पलटवार किया और आतंकियों को भागने पर मजबूर कर दिया। यह हमला ठीक उस दिन अंजाम दिया गया जब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल स्वयं कुलगाम में एक कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे। साफ है कि यह कोई सामान्य वारदात नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने और पर्यटकों व स्थानीय नागरिकों के मन में दहशत पैदा करने की नापाक कोशिश है। विडंबना यह है कि जिस पाकिस्तान के इशारे पर यह खूनी खेल खेला जा रहा है, वह स्वयं अपने ही बोए हुए कांटों में बुरी तरह उलझा हुआ है। रावलपिंडी के सैन्य मुख्यालय और इस्लामाबाद के सत्ता के गलियारों में बैठे हुक्मरानों को अपना घर संभाले नहीं संभल रहा है, लेकिन भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़ने की उनकी पुरानी बीमारी जाने का नाम नहीं ले रही है। अब समय आ गया है कि भारत केवल निंदा और तलाशी अभियानों तक सीमित न रहे, बल्कि पाकिस्तान को एक बार फिर उसी की भाषा में ऐसा निर्णायक सबक सिखाए, जिसकी गूंज दशकों तक उसके कानों में सुनाई देती रहे।

कश्मीर घाटी में पिछले कुछ वर्षों के दौरान आए ऐतिहासिक बदलावों ने पाकिस्तान और उसके पालतू आतंकी संगठनों की नींद उड़ा दी है। अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद जिस तेजी से घाटी में विकास की धारा बही है, रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं और स्थानीय युवाओं ने पत्थरबाजी छोड़कर मुख्यधारा का हाथ थामा है, उससे सीमा पार बैठे आकाओं की जमीन खिसक गई है। कुलगाम का यह हमला इसी बौखलाहट का नतीजा है। जब आतंकियों के स्थानीय नेटवर्क ध्वस्त हो चुके हैं और उन्हें पनाह देने वाले हाथ कम पड़ने लगे हैं, तब वे 'हिट एंड रन' जैसी कायरतापूर्ण रणनीति अपनाकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का भ्रम पाल रहे हैं। हमलावर बाइक पर आते हैं, अंधाधुंध फायरिंग करते हैं और गलियों का फायदा उठाकर भाग निकलते हैं। यह उनकी ताकत नहीं, बल्कि उनकी चरम कायरता और पस्त हौसले की निशानी है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सांप चाहे कितना ही घायल क्यों न हो, उसके फन को कुचलना ही एकमात्र स्थायी समाधान होता है। हमारे जवानों का खून यूं ही सड़कों पर बहने के लिए नहीं है। हर एक गोली का हिसाब सिर्फ उन भाड़े के आतंकियों से नहीं, बल्कि उन आकाओं से भी लिया जाना चाहिए जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बैठकर इन्हें हथियार, पैसा और प्रशिक्षण मुहैया कराते हैं।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति आज किसी से छिपी नहीं है। आर्थिक रूप से कंगाली की कगार पर खड़ा यह देश अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के रहमोकरम पर सांसें ले रहा है। महंगाई, बेरोजगारी और बुनियादी सुविधाओं के अभाव ने वहां की आम जनता की कमर तोड़ दी है। लेकिन इससे भी बड़ा संकट पाकिस्तान की भौगोलिक और राजनीतिक अखंडता पर मंडरा रहा है। बलूचिस्तान में आजादी की चिंगारी अब एक भयंकर ज्वालामुखी बन चुकी है। बलूच विद्रोही आए दिन पाकिस्तानी सेना के काफिलों, चौकियों और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बना रहे हैं, जिससे पाकिस्तानी फौज के हौसले पस्त हैं। दूसरी ओर, खैबर पख्तूनख्वा और कबायली इलाकों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने सरकार और सेना की नाक में दम कर रखा है। खुद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में वहां की जनता अपने ही हुक्मरानों के खिलाफ सड़कों पर उतरी हुई है। आटे, बिजली और बुनियादी अधिकारों के लिए ढङ्गड के नागरिकों का विद्रोह इस बात का सबूत है कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे से अब वहां की जनता भी मुक्ति चाहती है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जो मुल्क अपने ही सूबों को संभालने में नाकाम है, जिसकी सेना अपने ही नागरिकों पर गोलियां चला रही है और जो गृहयुद्ध जैसे हालात से जूझ रहा है, वह भारत में आतंकवाद फैलाने की जुर्रत कैसे कर रहा है?

दरअसल, पाकिस्तान की फौज और खुफिया एजेंसी ISI का अस्तित्व ही भारत विरोध की बुनियाद पर टिका है। जब-जब पाकिस्तान में आंतरिक संकट गहराता है, वहां की जनता का ध्यान बंटाने और अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए पाकिस्तानी जनरल कश्मीर का राग अलापने लगते हैं। बलूचिस्तान और PoK में मिल रही करारी शिकस्त से ध्यान भटकाने के लिए ही कुलगाम जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जाता है, ताकि पाकिस्तानी आवाम को यह दिखाया जा सके कि उनकी फौज अब भी भारत को चोट पहुंचाने की ताकत रखती है। यह पाकिस्तान की पुरानी और घिसी-पिटी चाल है। भारत ने उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक करके यह स्पष्ट कर दिया था कि नया भारत घर में घुसकर मारने का माद्दा रखता है। उन कठोर कार्रवाइयों के बाद कुछ समय तक पाकिस्तान के होश ठिकाने रहे, लेकिन ऐसा लगता है कि लातों के भूत बातों से मानने वाले नहीं हैं। अब समय का तकाजा है कि भारत अपनी नीति में एक और बड़ा और निर्णायक मोड़ ले। आतंकवाद के खिलाफ हमारी रणनीति अब केवल रक्षात्मक या प्रतिक्रियात्मक नहीं हो सकती। यह ठीक है कि कुलगाम हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली है और आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। निस्संदेह, इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकी जल्द ही अपने अंजाम तक पहुंचा दिए जाएंगे। लेकिन सिर्फ प्यादों को मारने से शतरंज का खेल खत्म नहीं होता, इसके लिए वजीर और बादशाह पर सीधा प्रहार करना जरूरी है। PoK में आज भी आतंकी कैंप और लॉन्च पैड सक्रिय हैं, जहां से घुसपैठ की साजिशें रची जाती हैं। भारत को अब अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के साथ-साथ सैन्य विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सीमा पार से होने वाली हर एक नापाक हरकत की कीमत पाकिस्तान को अपनी जमीन, अपने सैन्य ठिकानों और अपने आतंकी बुनियादी ढांचे के विनाश के रूप में चुकानी पड़े। इसके साथ ही, बलूचिस्तान और ढङ्गड में चल रहे मानवाधिकार उल्लंघनों और जनआंदोलनों को वैश्विक मंचों पर पूरी ताकत से उठाना होगा, ताकि दुनिया पाकिस्तान के असली चेहरे को देख सके।

आंतरिक मोर्चे पर भी हमें अपनी सतर्कता और खुफिया तंत्र को और अधिक धारदार बनाना होगा। कुलगाम हमले से पहले एक संदिग्ध किशोर द्वारा नाके पर आकर धमकी देने जैसी बातें सामने आना यह दर्शाता है कि आतंकियों के 'ओवर ग्राउंड वर्कर्स' और स्लीपर सेल अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। ये वे दीमक हैं जो समाज के भीतर रहकर देश की सुरक्षा को खोखला करते हैं। सुरक्षा एजेंसियों को इन गद्दारों की पहचान कर इनकी संपत्तियों को जब्त करने और कठोरतम कानूनी कार्रवाई करने में जरा भी संकोच नहीं करना चाहिए। स्थानीय स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने के तंत्र को इतना मजबूत किया जाना चाहिए कि आतंकी अपनी मांद से निकलने से पहले ही दबोच लिए जाएं। यह देश आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां वह अपने सैनिकों की शहादत या उनके लहू की एक भी बूंद को बर्बाद होते नहीं देख सकता। पाकिस्तान को यह साफ संदेश मिल जाना चाहिए कि भारत की सहनशीलता उसकी कमजोरी नहीं है। यदि पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है, तो भारत को न केवल उसके आतंकी अड्डों को नेस्तनाबूद करना होगा, बल्कि ढङ्गड को उसके अवैध कब्जे से मुक्त कराने की दिशा में भी निर्णायक कदम उठाने होंगे। यही कुलगाम के घायल जवानों के प्रति सच्ची संवेदना और देश के प्रति हमारा सर्वोच्च कर्तव्य होगा।

देव दीपावली : जब गंगा की लहरों पर उतरता है देवलोक, हर दीप में जागता है शिवत्व!



-सुरेश गांधी

कार्तिक पूर्णिमा की वह संध्या... जब सूर्य अपनी अंतिम स्वर्णिम किरणें गंगा की लहरों को सौंपकर विदा होता है और आकाश में चंद्रमा अपनी शीतल चांदनी बिखेरने लगता है, तब काशी का स्वरूप धीरे-धीरे बदलने लगता है। अर्द्धचंद्राकार गंगा तट के अस्सी से राजघाट तक फैले चौरासी घाट मानो किसी अदृश्य कलाकार की बनाई दिव्य रंगोली बन जाते हैं। सीढ़ियों पर सजी दीपमालाएं, मंदिरों के शिखरों पर झिलमिलाती रोशनियां, शंखनाद के बीच उठती आरती की लौ और गंगा की लहरों पर थिरकते दीपों के प्रतिबिंब... ऐसा लगता है, मानो धरती ने आकाश के तारों को अपने आंचल में समेट लिया हो। यह कोई साधारण रात्रि नहीं होती। यह वह बेला है, जब काशी की लोकमान्यता में देवता स्वर्ग से उतरकर गंगा के पावन तट पर आते हैं। उनके स्वागत में काशीवासी दीप जलाते हैं। इसी दिव्य कल्पना, आस्था और परंपरा का नाम है- देव दीपावली। यहां दीप केवल मिट्टी का पात्र नहीं, श्रद्धा का साकार रूप है। उसकी लौ में भक्ति का कंपन है, उसकी रोशनी में समर्पण का भाव और उसके प्रकाश में अंधकार से संघर्ष करने का सनातन संदेश। काशी की देव दीपावली को आंखों से देखा जा सकता है, लेकिन उसकी वास्तविक अनुभूति हृदय से होती है। गंगा की लहरें जब लाखों दीपों के प्रतिबिंब को अपने भीतर समेटती हैं, तो लगता है मानो मां गंगा स्वयं आरती की थाल बनकर देवाधिदेव महादेव के चरणों में समर्पित हो रही हों। हर घाट एक मंत्र बन जाता है, हर सीढ़ी एक साधना और हर दीप एक मौन प्रार्थना। हवा में घुलती धूप-कपूर की सुगंध, मंदिरों से उठते वैदिक मंत्र, घंटियों की अनुगूंज और सामूहिक स्वर में गूंजता 'हर-हर महादेव' काशी को एक ऐसे आध्यात्मिक लोक में बदल देता है, जहां समय भी कुछ क्षण ठहरता हुआ प्रतीत होता है।

त्रिपुरासुर के संहार से जन्मा प्रकाश का महापर्व

देव दीपावली का आध्यात्मिक आधार भगवान शिव के त्रिपुरारी स्वरूप से जुड़ा है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, तारकासुर के तीन पुत्रों ने कठोर तपस्या से वरदान प्राप्त कर तीन दुर्गों का निर्माण कराया था। इन तीनों पुरियों के बल पर उनका अत्याचार बढ़ता गया और देवता भी त्रस्त हो उठे। अंततः देवताओं की प्रार्थना पर भगवान शिव ने एक ही बाण से तीनों पुरियों का विनाश कर त्रिपुरासुर का अंत किया। इसी कारण



कार्तिक पूर्णिमा की चांदनी में काशी के चौरासी घाट बनते हैं आस्था के दीपस्तंभ, गंगा की जलधारा में झिलमिलाती ज्योतियां रचती हैं प्रकाश का ऐसा महायज्ञ, जहां हर लौ प्रार्थना, हर दीप मंत्र और हर आरती शिव के चरणों में समर्पण है. जी हां, काशी की देव दीपावली महज दीपों का उत्सव नहीं, भारतीय सभ्यता की उस जीवंत चेतना का उत्सव है, जिसमें प्रकृति, अध्यात्म और लोकजीवन एकाकार हो जाते हैं। यह वह अवसर है जब मनुष्य अपनी सीमित दुनिया से निकलकर विराट सांस्कृतिक विरासत से जुड़ता है। कार्तिक पूर्णिमा की पावन बेला में मनाया जाने वाला यह पर्व देवताओं के स्वागत की परंपरा के साथ सत्य, सद्भाव और सात्विकता की विजय का संदेश देता है। इसकी महत्ता दीपों की संख्या में नहीं, उस भावना में निहित है जो एक छोटी-सी लौ को भी अंधकार के विरुद्ध खड़ा कर देती है। यहां दीपदान केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पूर्वजों के स्मरण, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और लोकमंगल की कामना का प्रतीक है। काशी की विशेषता है कि वह अपनी प्राचीन परंपराओं को समय के साथ नए अर्थ देती रही है। देव दीपावली इसी निरंतरता का अनुपम उदाहरण है। यह पर्व बताता है कि किसी सभ्यता की वास्तविक समृद्धि उसके वैभव में नहीं, बल्कि उसकी मानवीय संवेदनाओं, सांस्कृतिक मूल्यों और सामूहिक चेतना में बसती है। शायद इसीलिए काशी की देव दीपावली का आकर्षण सीमाओं से परे है। यह दुनिया को संदेश देती है कि प्रकाश तभी सार्थक है, जब वह केवल घरों को नहीं, विचारों और व्यवहार को भी आलोकित करे

महादेव त्रिपुरारी कहलाए। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान शिव की इस विजय से आनंदित देवताओं ने दीप प्रज्वलित कर उत्सव मनाया था। इसी विजयोल्लास की स्मृति में देव दीपावली मनाई जाती है। यह प्रसंग केवल असुर के वध की कथा नहीं, बल्कि अधर्म पर धर्म, अहंकार पर विनम्रता और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस कथा का एक गहरा आध्यात्मिक अर्थ भी है। मनुष्य के भीतर भी अनेक त्रिपुर बसे हैं- काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और अज्ञान। जब तक इनका वर्चस्व रहता है, तब तक अंतर्मन में प्रकाश का प्रवेश नहीं हो पाता। शिव का त्रिपुरारी स्वरूप हमें अपने भीतर के इन विकारों का संहार करने की प्रेरणा देता है। इसीलिए देव दीपावली का दीप केवल बाहर की सीढ़ियों पर नहीं, मनुष्य के अंतर्मन में भी जलना चाहिए।

देवताओं के स्वागत में सजती है काशी

काशी की धार्मिक मान्यता में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष स्थान है। कहा जाता है कि इस रात देवता स्वर्गलोक से उतरकर गंगा में स्नान करने आते हैं। उनके स्वागत में घाटों पर दीपदान किया जाता है। गंगा के तट पर सजे दीप मानो देवताओं के आगमन का आमंत्रण होते हैं। यही कारण है कि इसे देवताओं की दीपावली कहा गया। काशी में यह विश्वास केवल धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है। यहां गंगा मां हैं, शिव आराध्य हैं और घाट जीवन तथा मृत्यु के बीच अनंत संवाद के साक्षी। जन्म से लेकर मोक्ष तक की यात्रा में गंगा और काशी का अपना विशिष्ट स्थान है। देव दीपावली की रात इन सभी भावों का अद्भुत समागम दिखाई देता है। दशाश्वमेध घाट की भव्य आरती, पंचगंगा की आध्यात्मिक शांति, अस्सी की सांस्कृतिक चेतना, मणिकर्णिका की मोक्ष परंपरा और राजघाट का ऐतिहासिक वैभव- हर घाट अपनी अलग अनुभूति के साथ इस महापर्व में सहभागी बनता है। काशी में गंगा केवल नदी नहीं, जीवनदायिनी चेतना हैं। उनके तट पर जलता प्रत्येक दीप इसी कृतज्ञता का प्रतीक है।

पंचगंगा घाट से शुरू हुई आधुनिक परंपरा का विस्तार

देव दीपावली की धार्मिक मान्यताएं प्राचीन हैं, लेकिन काशी में इसे व्यापक जनोत्सव का स्वरूप मिलने की आधुनिक परंपरा अपेक्षाकृत नई है। पंचगंगा घाट का हजारा दीप स्तंभ इस परंपरा की ऐतिहासिक स्मृतियों में विशेष स्थान रखता है। मालवा की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने काशी के अनेक मंदिरों और घाटों के पुनर्निर्माण तथा धार्मिक स्थलों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पंचगंगा घाट पर स्थापित दीप स्तंभ भी इसी विरासत की याद दिलाता है। बीसवीं सदी के अंतिम दशक में स्थानीय नागरिकों और सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रयासों से देव दीपावली को व्यापक सामूहिक आयोजन का स्वरूप मिलने लगा। धीरे-धीरे पंचगंगा घाट से आगे बढ़कर अस्सी से राजघाट तक दीपदान की परंपरा फैलती गई। आज यह आयोजन काशी के चौरासी घाटों, गंगा पार रेती, मंदिरों, कुंडों और सरोवरों तक पहुंच चुका है। एक स्थानीय धार्मिक परंपरा अब अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक पहचान बन गई है।

दीपदान : मिट्टी के पात्र में समाया मोक्ष का दर्शन

सनातन परंपरा में दीपदान का अर्थ केवल दीप जलाना नहीं है। यह अपने अहंकार, अज्ञान और नकारात्मकता को त्यागकर प्रकाश की ओर बढ़ने का संकल्प है। मिट्टी का दीप मनुष्य को उसकी नश्वरता का बोध कराता है, तेल जीवन की ऊर्जा का प्रतीक है, बाती साधना का और लौ आत्मचेतना का। दीप की लौ ऊपर की ओर उठती है। यही मनुष्य की चेतना की दिशा भी होनी चाहिए। जीवन में कितनी ही कठिनाइयां, निराशाएं और अंधकार क्यों न हों, मनुष्य को अपनी आंतरिक ज्योति बुझने नहीं देनी चाहिए। उपनिषदों का संदेश 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' इसी सनातन चेतना को अभिव्यक्त करता है- हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। काशी की देव दीपावली इसी दर्शन का विराट सार्वजनिक स्वरूप है। जब एक व्यक्ति दीप जलाता है तो वह अपने घर को रोशन करता है, लेकिन जब लाखों लोग मिलकर दीप जलाते हैं तो पूरा समाज प्रकाशमान हो उठता है। यही सामूहिक चेतना इस पर्व को विशिष्ट बनाती है।

योग-दर्शन में शिवत्व और आंतरिक आलोक

योगशास्त्र की दृष्टि से प्रकाश केवल बाहरी दृश्य नहीं, बल्कि आत्मचेतना का प्रतीक है। साधना का उद्देश्य मनुष्य को इंद्रियों की सीमाओं से ऊपर उठाकर आत्मबोध तक पहुंचाना है। योग परंपरा में चक्रों के जागरण और कुंडलिनी चेतना की यात्रा को इसी आंतरिक विकास से जोड़ा जाता है। शिव का स्वरूप इस चेतना का सर्वोच्च प्रतीक है। उनका ध्यान, मौन, वैराग्य और समाधि मनुष्य को भीतर झांकने की प्रेरणा देते हैं। देव दीपावली पर जब श्रद्धालु गंगा तट पर दीपदान करते हैं, तो वह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं करते, बल्कि अपने आराध्य के प्रति समर्पण के साथ आत्मशुद्धि का भाव भी व्यक्त करते हैं। इस पर्व का संदेश है कि बाहर की हजारों रोशनियां तभी सार्थक हैं, जब मन के भीतर भी सद्भाव, करुणा, संयम और विवेक का दीप प्रज्वलित हो। दूसरे के जीवन में प्रकाश पहुंचाना ही वास्तविक देवत्व है।

कार्तिक पूर्णिमा, भीष्म पंचक और धर्म का आलोक

कार्तिक मास को सनातन परंपरा में अत्यंत पुण्यकारी माना गया है। इस मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी से पूर्णिमा तक की अवधि भीष्म पंचक के रूप में जानी जाती है। महाभारत की परंपरा में भीष्म पितामह के ज्ञान, व्रत, संयम और धर्मोपदेश का विशेष महत्व है। शरशय्या पर लेटे भीष्म ने भगवान श्रीकृष्ण की उपस्थिति में युधिष्ठिर को राजधर्म, दानधर्म, मोक्षधर्म और जीवन के अनेक गूढ़ सिद्धांतों का उपदेश दिया था। कार्तिक पूर्णिमा इस साधना अवधि का समापन भी है। इस दिन स्नान, दान, जप, तप और दीपदान का विशेष महत्व माना जाता है। धर्मशास्त्रीय परंपरा में दीपदान को पुण्य और सद्भाव की अभिव्यक्ति के रूप में देखा गया है। इसीलिए देव दीपावली केवल उत्सव का नहीं, बल्कि ज्ञान, संयम और आत्मचिंतन का पर्व भी है।

भक्ति से पर्यटन तक, काशी की वैश्विक पहचान

आज देव दीपावली केवल काशी का धार्मिक आयोजन नहीं रह गई है। यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, आध्यात्मिक विरासत और पर्यटन की पहचान बन चुकी है। देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोग भी इस पर्व को श्रद्धा और उत्साह से मनाते हैं। बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक नावों पर बैठकर गंगा के दोनों तटों की दीपमालाओं को निहारते हैं। काशी की विशेषता यह है कि यहां आधुनिकता परंपरा को विस्थापित नहीं करती, बल्कि उसके वैभव को नए आयाम देती है। लेजर शो, ड्रोन प्रदर्शन और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था के बीच भी मिट्टी के छोटे-छोटे दीप ही इस आयोजन की आत्मा बने रहते हैं। एक ओर शास्त्रीय संगीत और वैदिक मंत्रों की ध्वनि है, दूसरी ओर लोककलाओं की रंगत। कहीं मंदिरों की घंटियां हैं तो कहीं घाटों पर गूंजते लोकगीत। यह विविधता ही काशी को विश्व की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक राजधानी के रूप में विशिष्ट बनाती है। देव दीपावली स्थानीय कुम्हारों, नाविकों, फूल विक्रेताओं, शिल्पकारों, होटल कारोबारियों, कलाकारों और छोटे व्यापारियों के लिए भी आजीविका के नए अवसर लेकर आती है। इस प्रकार यह पर्व आस्था के साथ अ

भिवंडी मनपा ने मटन, चिकन और मछली की दुकानें पूरी तरह बंदिस्त करना अनिवार्य

भिवंडी। भिवंडी मनपा ने शहर में मटन, चिकन, मछली और मांस की बिक्री करने वाले दुकानदारों के लिए दुकानों को पूरी तरह बंदिस्त रखना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में मनपा के बाजार विभाग ने 12 नवंबर को सार्वजनिक सूचना जारी कर सभी संबंधित व्यावसायिकों को निदेशों का पालन करने की चेतावनी दी है। मनपा के अनुसार, शहर में कई स्थानों पर मांस-मछली की दुकानें पूरी तरह बंदिस्त नहीं हैं। खुले में बिक्री होने से दुर्गंध फैलने, मक्खियों और अन्य कीटों का प्रकोप बढ़ने तथा अस्वच्छता के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। मनपा ने स्पष्ट किया है कि सभी मटन, चिकन, मछली और मांस बिक्री की दुकानों का निर्माण स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। दुकानों का बिक्री परिसर सड़क अथवा सार्वजनिक स्थानों की ओर खुला नहीं रहना चाहिए। मनपा के उपआयुक्त (बाजार/परवाना) बालकृष्ण क्षीरसागर ने चेतावनी दी है कि निदेशों का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित दुकान और व्यवसाय बंद करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

भिवंडी मनपा की 9वीं महासभा 17 नवंबर को, 23 प्रस्तावों पर होगी चर्चा

भिवंडी। भिवंडी मनपा की 9वीं सर्वसाधारण सभा 17 नवंबर को दोपहर 3 बजे महापौर नारायण चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित होगी। इस महासभा में कुल 23 प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। इनमें शहर के विकास कार्यों, सीबीएसई स्कूल शुरू करने, व्यावसायिक संपत्तियों से बकाया प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने के लिए निजी एजेंसी नियुक्त करने सहित कई महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।महासभा में एमएमआरडीए योजना के अंतर्गत 262 करोड़ 50 लाख रुपये के विकास कार्यों को मंजूरी देने का प्रस्ताव रखा गया है। इसमें अग्निशमन विभाग के लिए 25 करोड़ रुपये के वाहन खरीदने का प्रावधान भी शामिल है। इसके अलावा कामतघर-ताडाली मुख्य मार्ग पर क्रॉस ड्रेन बनाने तथा वरहालदेवी मंगल भवन के बाहर उद्यान विकसित करने और सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव भी रखा गया है। मनपा क्षेत्र की बकाया वाणिज्यिक, औद्योगिक और मिश्रित उपयोग वाली संपत्तियों से प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने के लिए बाहरी व्यावसायिक एजेंसी नियुक्त करने का प्रस्ताव महासभा के समक्ष रखा जाएगा। एजेंसी की नियुक्ति प्रदर्शन आधारित सेवा शुल्क के आधार पर करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मांगी जाएगी। मनपा स्कूलों में विद्यार्थियों की घटती संख्या और अंग्रेजी माध्यम की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बढ़ती मांग को देखते हुए महानगरपालिका के स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव भी चर्चा के लिए रखा गया है। इसका उद्देश्य सभी आर्थिक वर्गों के विद्यार्थियों को किफायती शुल्क पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके अलावा दिव्यांगों के लिए वर्ष 2026-27 की योजनाओं एवं लाभार्थियों का निर्धारण, 20 शहरी स्वास्थ्य केंद्रों सहित विभिन्न अस्पतालों के लिए दवाइयों और चिकित्सा सामग्री की ई-खरीद, स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान 2.0 के तहत राडा-रोडा कचरा प्रबंधन परियोजना तथा स्वच्छता कार्यों के लिए कीटनाशक दवाओं की खरीद जैसे प्रस्ताव भी शामिल हैं। महासभा में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले दैनिक कचरे के संकलन के लिए वार्ड क्रमांक 1 से 23 तक अलग-अलग संस्थाओं की नियुक्ति, सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव के लिए सीबीओ नियुक्त करने के नियम तथा राडा-रोडा कचरा प्रबंधन नीति को मंजूरी देने पर भी चर्चा होगी। इसके साथ ही अमृत 2.0 योजना के तहत 100 एमएलडी जलापूर्ति परियोजना के कार्यों की समय-सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा।

नवंबर में राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान, पेंशनधारकों को मिलेगी बड़ी राहत

पालघर(उत्तरशक्ति)। देशभर के पेंशनधारकों और पारिवारिक पेंशनधारकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग की ओर से नवंबर महीने में पांचवां राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 30 नवंबर 2026 तक जारी रहेगा। देश के करीब 2,000 शहरों और जिलों में आयोजित इस अभियान का लाभ महाराष्ट्र के पेंशनधारक भी उठा सकेंगे। सरकारी पेंशन का नियमित भुगतान जारी रखने के लिए पेंशनधारकों को प्रत्येक वर्ष नवंबर महीने में अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करना अनिवार्य होता है। पहले इसके लिए पेंशनधारकों को बैंक या कोषागार कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ता था। लेकिन अब केंद्र सरकार की जीवन प्रमाण डिजिटल प्रणाली के माध्यम से यह प्रक्रिया काफी आसान हो गई है। इस डिजिटल सुविधा के तहत आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अथवा फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का उपयोग कर पेंशनधारक अपने मोबाइल फोन से ही डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र तैयार कर ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इससे बैंक या कोषागार कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और घर से बाहर जाने में असमर्थ पेंशनधारकों को इस सुविधा से काफी सहूलियत मिलेगी। महाराष्ट्र के सभी पेंशनधारकों एवं पारिवारिक पेंशनधारकों के लिए भी जीवन प्रमाण पोर्टल के माध्यम से यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। संबंधित पेंशनधारकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर यानी 30 नवंबर तक अपना डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा कर दें, ताकि पेंशन भुगतान में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। जिला कोषागार अधिकारी, पालघर एवं अपर कोषागार अधिकारी ने सभी पेंशनधारकों से डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा जीवन प्रमाण प्रणाली के माध्यम से समय पर अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की अपील की है।

itel ने भारत में 15 करोड़ ग्राहकों का आंकड़ा पार किया, मजबूती, भरोसे और किफायती कीमत के दम पर बनाई अपनी पहचान

मुंबई/पटना। भारत के प्रमुख किफायती कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड्स में से एक itel ने आज भारत में 15 करोड़ ग्राहकों का आंकड़ा पार करने की घोषणा की। यह उपलब्धि भारत में ब्रांड के 10 साल पूरे होने के मौके पर हासिल हुई है। यह आंकड़ा दिखाता है कि भारतीय ग्राहकों ने आईटेल पर कितना भरोसा जताया है। कंपनी ने हमेशा ऐसी टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराने की कोशिश की है, जो आम लोगों की जरूरतों को पूरा करे और उनकी पहुंच में भी हो। छोटे शहरों में पहली बार स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों से लेकर फीचर फोन से स्मार्टफोन पर अपग्रेड करने वाले परिवारों तक, आईटेल लाखों भारतीय परिवारों के साथ अपनी एक अलग पहचान बनाई है। अब कंपनी मोबाइल फोन के साथ-साथ टीवी और होम अप्लायंसेज जैसी कैटेगरी में भी अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है।

मजबूती, भरोसा और किफायती कीमत के अपने ब्रांड वादे के साथ आईटेल भारत के वैल्यू सेगमेंट में मजबूत जगह बनाई है। काउंटर प्वाइंट रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, वित्तीय वर्ष में 34 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ आईटेल भारत का नंबर 1 फीचर फोन ब्रांड है।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर पालघर में जनजातीय गौरव सेवा सप्ताह का हो रहा आयोजन

- स्वास्थ्य शिविर, सरकारी योजनाओं का लाभ वितरण और दस्तावेजों के लिए सेवा शिविरों पर रहेगा विशेष जोर : जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़



पालघर (उत्तरशक्ति)। क्रांतिसूर्य भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में पालघर जिले में 11 से 18 नवंबर 2026 तक जनजातीय गौरव सेवा सप्ताह-2026 मनाया जा रहा है। इस दौरान आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने के साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने दी।

इस संबंध में जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में सांसद डॉ. हेमंत सवरा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, एकात्मिक आदिवासी विकास परियोजना जव्हार एवं डहाणू के परियोजना अधिकारी पी. के. सिद्धार्थ रामकुमार और अमल पी. व्ही., उपजिलाधिकारी रणजीत देसाई सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी डॉ. जाखड़ ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष कर आदिवासी समाज के स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक योगदान दिया। उनके विचारों एवं संघर्ष को सम्मान देने के साथ ही आदिवासी समुदाय तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना, प्रशासनिक सेवाओं को सुलभ बनाना और समाज के सर्वांगीण विकास के प्रति जागरूकता पैदा करना इस सेवा सप्ताह का प्रमुख उद्देश्य है।

सेवा सप्ताह के तहत 12 नवंबर को जिलाधिकारी कार्यालय में पत्रकार परिषद आयोजित की गई। वहीं 13 नवंबर को वनमंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों न्यूक्लियर बजट तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को अनुदान के चेक वितरित किये जायेंगे। 14 नवंबर को जिले के महानगरपालिका, नगर परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में स्थित आदिवासी स्मारकों तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं की स्वच्छता की जाएगी। इसके साथ ही दीपोत्सव का आयोजन भी किया जायेगा। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राज्यस्तरीय मुख्य शासकीय कार्यक्रम गडचिरोली में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। इसी दिन जव्हार में भव्य रैली निकाली जायेगी तथा राजीव गांधी मैदान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। 16 नवंबर को आदिवासी नागरिकों के लिए आधार कार्ड तथा विभिन्न सरकारी दस्तावेजों से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष शिविर आयोजित किये जायेंगे। ये शिविर तलासरी तहसील के सरकारी आश्रम स्कूल सवणे, डहाणू तहसील के अनुदानित आश्रम स्कूल आशागढ़ कन्या, जव्हार तहसील के रायतले ग्राम पंचायत बहुउद्देशीय सभागृह, विक्रमगढ़ के ग्राम पंचायत कार्यालय सारशी, मोखाडा तहसील के ग्राम पंचायत कार्यालय खोच तथा वाडा तहसील के ग्राम पंचायत कार्यालय खुपरी में लगाये जायेंगे। 17 नवंबर को स्वास्थ्य विभाग एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जनजागृति शिविर आयोजित किये जायेंगे। ये कार्यक्रम जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित किये जायेंगे, ताकि आदिवासी नागरिकों को स्वास्थ्य, पोषण एवं संबंधित योजनाओं की जानकारी मिल सके।

सांस्कृतिक मंत्री से दीपावली की सदिच्छा भेंट



मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार को बांद्रा उनके आवास पर उत्तर पूर्व जिला भाजपा महासचिव धर्मवीर सिंह ने उन्हें शाल और गुलदस्ता भेंटकर दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस सदिच्छा भेंट के दौरान धर्मवीर सिंह ने सांस्कृतिक मंत्री से विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

महाराष्ट्र राज्य वारकरी साहित्य परिषद का 15वां वर्धापन दिवस संपन्न

हरिपाठ, भजन, गवलणी और भारुड़ की प्रस्तुतियों ने बांधा समां



पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र राज्य वारकरी साहित्य परिषद, पालघर जिला की ओर से परिषद का 15वां वर्धापन दिवस बुधवार 11 नवंबर 2026 को बोईसर शहर के धर्म नगरी आजाद नगर स्थित शिव मंदिर में बड़े उत्साह और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। रात 8:30 बजे आयोजित इस समारोह में वारकरी संप्रदाय के संतों, कीर्तनकारों, भजन गायकों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में परिषद के जिला सचिव ह.भ.प. मोहन महाराज सिनलकर, बोईसर अध्यक्ष ह.भ.प. सुनील महाराज सोनवणे, मृदंगमणि सुधीर शिशोदे, गायनाचार्य गोंदू महाराज चौधरी, ह.भ.प. सुभाष जाधव, डहाणू तहसील उपाध्यक्ष ह.भ.प. महादू लोटन बेन्द्रे तथा पालघर जिला महिला अध्यक्ष ह.भ.प. शीतलताई शिंदे ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर ह.भ.प. भजन सम्राट एकनाथ महाराज धांडे, ह.भ.प. सुरेखाताई सिनलकर, लताताई परंडवाल, शिव मंदिर कमेटी के आनंद परंडवाल एवं राधेश्याम चौहान, जीतू महाराज पंडित सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह के दौरान संत तुकाराम महाराज भजनी मंडल की ओर से हरिपाठ, भजन, गवलणी और भारुड़ की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। इन भक्तिमय प्रस्तुतियों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्ति संगीत और संत परंपरा का आनंद लिया।कार्यक्रम में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले मुक्ताई-जनाई महिला हरिपाठ कार्यक्रम को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा की गई। इसमें कार्यक्रम के नियम, ड्रेस कोड और आयोजन की रूपरेखा निर्धारित करने के साथ बोईसर कमेटी का गठन निश्चित किया गया। पूरे कार्यक्रम का उत्कृष्ट नियोजन एवं सूत्रसंचालन परिषद के जिला सचिव ह.भ.प. मोहन महाराज सिनलकर ने किया। उनके कुशल आयोजन की उपस्थित मान्यवरों एवं श्रद्धालुओं ने सराहना की। अंत में ह.भ.प. एकनाथ महाराज धांडे ने सभी अतिथियों व श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

चिंचणी में वन विभाग तथा WCAWA की संयुक्त कार्रवाई में पकड़ा गया तेंदुआ



पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के चिंचणी, वरोर, वाढवण, वासगांव, तानाशी और ओसारवाडी सहित आसपास के क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से तेंदुए की मौजूदगी के कारण नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ था। आखिरकार वन विभाग और वन्यजीव संरक्षण एवं पशु कल्याण संस्था WCAWA (Wildlife Conservationand Animal Welfare Association) के संयुक्त प्रयासों से चिंचणी में तेंदुए को पकड़ने में सफलता मिली। इस कार्रवाई से क्षेत्र के नागरिकों ने राहत की सांस ली है। तेंदुए को पकड़ने के इस अभियान में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ हउअहअ की टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम के सदस्यों ने तत्परता, साहस और समर्पण के साथ अभियान में सहयोग किया। उनके प्रयासों की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। ज्ञात हो कि वन्यजीव संरक्षण के कार्यों को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से इसी वर्ष जून महीने में WCAWA संस्था को Wildlife Ambulance-cum-Ranger Vehicle सुपुर्द किया गया था। अब इसी संस्था को वन विभाग के साथ मिलकर तेंदुए को पकड़ने के अभियान में सक्रिय भूमिका निभाते देख इस पहल से जुड़े लोगों ने संतोष व्यक्त किया है। वन्यजीवों का संरक्षण और आम नागरिकों की सुरक्षा, दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। ऐसे अभियानों में वन विभाग और सामाजिक संस्थाओं के बीच समन्वय बेहद आवश्यक है। इस साहसिक अभियान में प्रत्यक्ष रूप से शामिल हउअहअ के सभी सदस्यों का विशेष अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया गया। इस अभियान में हउअहअ के हार्दिक सोनी, एरिक तडवाला, भावेश बाबरे, अवनीश महाडिक, विशाल राऊत, सूर्यशश चौधरी, विपिन राऊत, अर्चना राजभर, अवनीश गायकवाड, प्रतीक वाहुरवाघ और रेमंड डिसूजा शामिल रहे।

एकनाथ शिंदे के आर्थिक सहयोग से गोशाला तक बनेगी सड़क

शिवसेना नेता प्रकाश पाटिल ने किया भूमिपूजन, तीन हजार गोवंश को मिलेगी राहत



आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के अनगांव स्थित श्री गोपाल गोशाला तक सड़क नहीं होने से बारिश के मौसम में चारा पहुंचाने वाले वाहनों को भारी परेशानी होती थी। इसके चलते गोशाला में रह रहे गोवंश को चारे की किल्लत का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को देखते हुए गोशाला ट्रस्ट के पदाधिकारी राकेश मोदी ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भिवंडी-वाडा महामार्ग से गोशाला तक सड़क निर्माण कराने की मांग की थी। इस पर शिंदे ने अपने निजी खर्च से सड़क बनवाने का संकल्प लिया। इसी क्रम में शिवसेना नेता प्रकाश पाटिल के हाथों नारियल फोड़कर सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। यह सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 76 से मौजे करंजवडे स्थित श्री गोपाल गोशाला तक बनाई जाएगी। गोशाला में करीब तीन हजार गोवंश की सेवा की जाती है। इस अवसर पर ट्रस्ट के त्रिलोकचंद जैन, राकेश मोदी, मनोज दुधानी, पिंटू कुमावत सहित बड़ी संख्या में गोभक्त उपस्थित थे। प्रकाश पाटिल ने कहा कि सड़क निर्माण पूरा होने के बाद लोकार्पण के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को आमंत्रित किया जाएगा। वहीं, राकेश मोदी ने शिंदे के योगदान की स्मृति बनाए रखने के लिए सड़क का नाम उनकी माताजी के नाम पर रखने की मांग की।

आदित्य बिड़ला कैपिटल ने बदलापुर में गोल्ड लोन कारोबार का विस्तार किया

बदलापुर (उत्तरशक्ति)। भारत की प्रमुख वित्तीय सेवा कंपनियों में से एक, आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड के एनबीएफसी कारोबार ने बदलापुर में अपनी नई स्वतंत्र गोल्ड लोन शाखा शुरू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने गोल्ड लोन कारोबार का विस्तार किया है। इस नई शाखा की शुरूआत से आदित्य बिड़ला कैपिटल की वित्तीय सेवाओं में एक और सुविधा जुड़ गई है। इसके साथ ही कंपनी ग्राहकों को पारदर्शी, सुरक्षित और आसान तरीके से सोने के बदले लोन उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है।

ट्रांसयूनियन सिबिल की अप्रैल 2026 की गोल्ड लोन लैंडस्केप रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में 2025 के दौरान गोल्ड लोन देने के मामलों में पिछले साल की तुलना में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसके अलावा, देश में दिए गए कुल गोल्ड लोन में से 5.8 प्रतिशत लोन महाराष्ट्र में दिए गए। इससे पता चलता है कि महाराष्ट्र में संगठित और अधिकृत संस्थानों के माध्यम से सोने के बदले लोन लेने की मांग लगातार बढ़ रही है। बदलापुर में तेजी से बढ़ती आबादी, मुंबई महानगर क्षेत्र से अच्छी कनेक्टिविटी और स्थानीय कारोबार में हो रही बढ़ोतरी के कारण यह शहर आदित्य बिड़ला कैपिटल के गोल्ड लोन कारोबार के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है।

नई शाखा के उद्घाटन के अवसर पर आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और एनबीएफसी कारोबार के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर राकेश सिंह ने कहा, हमारे गोल्ड लोन कारोबार की शुरूआत ग्राहकों को आसान, सुरक्षित और उनकी जरूरतों के अनुसार वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बदलापुर हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। यहां अलग-अलग तरह के ग्राहक हैं और उनकी आर्थिक जरूरतें भी बदल रही हैं। हम अपने कारोबार का विस्तार करते हुए गोल्ड लोन की सुविधा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं। इसके लिए हम ग्राहकों को पारदर्शी और आसान सेवा देने पर ध्यान दे रहे हैं, ताकि वे शाखा और डिजिटल माध्यमों से आसानी से लोन ले सकें। आदित्य बिड़ला समूह पर ग्राहकों के विश्वास और जिम्मेदारी के साथ लोन देने की हमारी सोच के साथ, हम बदलापुर के ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने और उनकी वित्तीय जरूरतों को आसान, भरोसेमंद और सुविधाजनक तरीके से पूरा करने के लिए तत्पर हैं।

ADITYA BIRLA CAPITAL
FINANCE

एचएसबीसी-हुरुन ग्लोबल इंडियंस सूची 2026

मुंबई। एचएसबीसी इंडिया और हुरुन इंडिया ने आज एचएसबीसी हुरुन ग्लोबल इंडियंस सूची 2026 जारी की। इस सूची में भारतीय मूल के व्यक्तियों के नेतृत्व वाली दुनिया की 200 सबसे अधिक मूल्यांकन वाली कंपनियों को शामिल किया गया है। कंपनियों को उनके मूल्यांकन के आधार पर स्थान दिया गया है। सूचीबद्ध कंपनियों के लिए बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइजेशन) और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के लिए 'हुरुन रिसर्च' द्वारा तय किए गए मूल्यांकन को आधार माना गया है। इसके लिए 25 जून 2026 की तारीख को निर्धारक (कट-ऑफ) तिथि के रूप में लिया गया है। यह इस सूची का दूसरा संस्करण है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतीय प्रवासियों की भूमिका को उजागर करता है। इस सूची में भारत के बाहर मुख्यालय वाली 200 कंपनियों के 236 प्रमुख हैं, जिनमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), प्रबंध निदेशक, चेयरपर्सन और संस्थापक शामिल हैं। इस सूची में शामिल कंपनियों का कुल मूल्यांकन 15 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो 2024 के पहले संस्करण में दर्ज 9.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से 53% अधिक है। वहीं, इस सूची में शामिल होने के लिए आवश्यक न्यूनतम मूल्यांकन (कट-ऑफ) दोगुने से भी अधिक बढ़कर 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया जो इससे पहले 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर था। सैन फ्रांसिस्को 40 लोगों के साथ रहने के लिए पसंदीदा शहरों की सूची में सबसे ऊपर है। 'सॉफ्टवेयर एवं सेवा' और 'वित्तीय सेवा' क्षेत्रों की कुल 84 कंपनियां इस सूची की 200 कंपनियों में शामिल हैं। इसमें शामिल लोगों की औसत आयु 55 वर्ष है और सूची में 16 महिलाएं भी हैं।इस साल 76 कंपनियां पहली बार इस सूची में शामिल हुई हैं। सूची में शामिल 200 कंपनियों में से 127 कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं, जबकि 73 निजी कंपनियां हैं। इन सभी कंपनियों में कुल मिलाकर लगभग 53 लाख (5.3 मिलियन) लोग काम करते हैं। 2025 में इन कंपनियों ने 2.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की आय (रेवेन्यू) अर्जित की और इनका कुल शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) 416 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। संदीप बत्रा, इंटरनेशनल वेल्थ और प्रीमियर बैंकिंग के प्रमुख, एचएसबीसी इंडिया ने कहा,वैश्विक भारत (ग्लोबल इंडिया) उन लोगों और उद्योग की महत्वाकांक्षाओं की कहानी है, जो सीमाओं के पार जाकर भारत को दुनिया से जोड़ते हैं। यह महज विदेशों में भारतीयों की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि इस बात का भी संकेत है कि ये वैश्विक जुड़ाव भारत और दुनिया, दोनों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल सकते हैं। एचएसबीसी में, हम अपने ग्राहकों को उनकी अंतरराष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में मदद कर रहे हैं, साथ ही यह भी सुनिश्चित करते हैं कि वे अपने देश (भारत) से भी जुड़े रहें। अनस रहमान जुनैद, संस्थापक और मुख्य शोधकर्ता, हुरुन इंडिया ने कहा,ग्लोबल इंडियंस (वैश्विक स्तर पर कार्यरत भारतीय) की पहुंच हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी में इस कदर रची-बसी है कि अक्सर हमें इसका अहसास तक नहीं होता। चाहे आप गूगल पर कुछ भी ढूंढें, यूट्यूब पर वीडियो देखें, व्हाट्सएप पर मैसेज भेजें, माइक्रोसॉफ्ट विंडोज पर काम करें, फेडेक्स के जरिए कोई पार्सल भेजें, या घर पर प्रॉक्टर एंड गैंबल के किसी उत्पाद का इस्तेमाल करें।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

तेज रफ्तार ट्रैक्टर का कहर, ई-रिक्शा सवार युवक की मौत, दूसरा गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर-आजमगढ़ हाईवे पर गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर गांव के पास बुधवार शाम तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा सवार एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज थाना क्षेत्र के औरंगाबाद निवासी संदीप कुमार गुप्ता पुत्र सुभाष गुप्ता (28) और अभितांश सिंह उर्फ छोटू पुत्र संतोष सिंह (23) बुधवार को बैटरी चालित ई-रिक्शा से जौनपुर होते हुए आजमगढ़ लौट रहे थे। शाम करीब साढ़े पांच बजे जैसे ही उनका ई-रिक्शा गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर गांव के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने अभितांश सिंह उर्फ छोटू को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे घायल संदीप कुमार गुप्ता का उपचार जारी है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बेटी की डोली उठने से पहले घर में चोरी, लाखों के जेवर और नकदी पार

21 नवंबर को तिलक और 24 नवंबर को होनी है शादी, 10 से 12 लाख के आभूषण व ढाई लाख रुपये नकद चोरी होने का अनुमान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बेटी की शादी की खुशियां मनाने की तैयारी में जुटे परिवार को चोरों ने बड़ा झटका दे दिया। शादी से चंद दिन पहले चोरों ने घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात, नकदी, साड़ी-कपड़े और शादी का अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

मामला बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के मछली गांव का है। बताया जा रहा है कि परिवार में 21 नवंबर को बेटी का तिलक और 24 नवंबर को शादी होनी तय है। इसे लेकर घर में तैयारियां जोरों पर चल रही थीं। इसी बीच चोरों ने वारदात को अंजाम दे दिया।

चोरी गए सामान में करीब 10 से 12 लाख रुपये के जेवरात और लगभग ढाई लाख रुपये नकद होने का अनुमान है। इसके अलावा शादी के लिए खरीदी गई साड़ियां, कपड़े और अन्य सामान भी चोर उठा ले गए।

घटना की जानकारी होते ही परिजनों के होश उड़ गए। जिस घर में शादी की शहनाइयां बजने की तैयारी थी, वहां अचानक मायूसी छा गई। सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जागरूकता अभियान, 2351 वाहनों का चालान-12 सीज

यातायात माहः हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात माह नवंबर-2026 के तहत यातायात पुलिस ने जनपद में जागरूकता एवं चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक यातायात मनोज कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में प्रमुख चौराहों, तिराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर तथा पंपलेट वितरित कर लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

अभियान के दौरान वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करने, दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी न बैठाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की अपील की गई। साथ ही वाहनों में काली फिल्म, अनधिकृत हूटर, सायरन और प्रेशर हॉर्न का प्रयोग न करने की हिदायत दी गई।

इसके साथ ही बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र और हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के वाहन चलाने वालों के खिलाफ सघन चेकिंग की गई। काली फिल्म लगे वाहनों से फिल्म उतरवाई गई।

यातायात पुलिस की कार्रवाई में नियमों का उल्लंघन करने वाले 2351 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 12 वाहनों को सीज किया गया। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने में सहयोग की अपील की।

केराकत पुलिस ने साइबर ठगी के दो पीड़ितों को वापस कराए 11,817 रुपये

साइबर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से दोनों पीड़ितों के बैंक खातों में वापस पहुंची ठगी की रकम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। साइबर ठगी के शिकार लोगों को राहत दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत केराकत पुलिस की साइबर टीम ने दो पीड़ितों के कुल 11,817 रुपये वापस कराए हैं।

पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में साइबर पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, केराकत थाना क्षेत्र के कुसैला निवासी सर्वेन्द्र कुमार मौर्य के खाते से साइबर ठगी के मामले में 5,000 रुपये वापस कराए गए। वहीं केराकत कस्बा निवासी शाहआलम मोहम्मद युसुफ के खाते में 6,817 रुपये वापस कराए गए।

दोनों पीड़ितों ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद साइबर पुलिस टीम ने एनसीआरपी पोर्टल और एमआरएम पोर्टल के माध्यम से कार्रवाई करते हुए ठगी की धनराशि होल्ड कराई और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर रकम पीड़ितों के बैंक खातों में वापस कराई। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय, निरीक्षक अपराध राजेश मिश्रा, कंप्यूटर ऑपरेटर कमलापति, हेड कांस्टेबल विजय यादव एवं महिला कांस्टेबल आयुषी यादव शामिल रहीं।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे ठगी की रकम को समय रहते रोका जा सके।

मुकदमा दर्ज होने के बाद घायलों का मेडिकल न कराने और शांति भंग में चालान करने का पीड़ित पक्ष ने लगाया आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर (विशुनपुर) गांव में जमीन पर उपली पाथने को लेकर हुए विवाद में एक ही परिवार के कई लोगों के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित मुकेश मिश्रा ने पड़ोसियों समेत सात लोगों पर गाली-गलौज और लाठी-डंडों व घूंसे से हमला करने का आरोप लगाया है। मामले में बक्शा थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, 8 नवंबर 2026 को दोपहर करीब दो बजे मुकेश मिश्रा की पत्नी सरिता देवी अपनी जमीन पर उपली पाथ रही थीं। इसी दौरान पड़ोस के विनीत कुमार मिश्रा, धीरज मिश्रा सहित परिवार के अन्य लोग वहां पहुंच गए। आरोप है कि उपली पाथने को लेकर कहासुनी के बाद गाली-गलौज शुरू हो गई और देखते ही देखते सरिता देवी के साथ मारपीट की जाने लगी।

शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य बचाव के लिए पहुंचे तो आरोप है कि उनके साथ भी लाठी-डंडों और घूंसे से हमला किया गया। घटना में श्यामकुमारी, नितेश, मुकेश, राजीव और महिमा को चोटें आईं। पीड़ित पक्ष के अनुसार, श्यामकुमारी और नितेश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। आरोप है कि हमलावर जाते समय परिवार को जान से मारने की धमकी भी दे गए।

पीड़ित ने 9 नवंबर को बक्शा थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल जाना पड़ा, लेकिन पुलिस ने उन्हें थाने बुलाकर शांति भंग की आशंका में चालान कर दिया। पीड़ित का यह भी आरोप है कि परिवार के घायलों का मेडिकल परीक्षण नहीं कराया गया, जबकि विपक्षी पक्ष द्वारा कथित रूप से मेडिकल रिपोर्ट बनवाकर गंभीर चोटें दर्शाई जा रही हैं। इस संबंध में पीड़ित ने जिलाधिकारी अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर घायलों का मेडिकल परीक्षण कराने और उचित उपचार सुनिश्चित कराने की मांग की है।

फिलहाल, पूरा मामला पीड़ित पक्ष की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र में लगाए गए आरोपों पर आधारित है। पुलिस का पक्ष सामने आने और निष्पक्ष जांच के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

शिक्षा दिवस एवं उर्दू दिवस पर मौलाना आजाद और अल्लामा इकबाल को किया गया याद

अहमद कलाम हिशामी को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'मौलाना अबुल इरफान खान नदवी अवार्ड' से किया गया सम्मानित

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के शाहगंज पड़ाव स्थित एक निजी बैंक्वेट हॉल में बुधवार की देर शाम देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के अवसर पर शिक्षा दिवस और उर्दू के महान शायर डॉ. अल्लामा इकबाल की याद में उर्दू दिवस का आयोजन किया गया। सेंट जोसेफ ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन डॉ. नोमान खान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जहां शायरों ने अपनी रचनाएं पेश कर लोगों को मंत्रमुग्ध किया, वहीं वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व और उर्दू भाषा के संरक्षण की जरूरत तथा इसे पढ़ने और सीखने पर विस्तार से प्रकाश डाला।



कार्यक्रम के दौरान फलाह वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से मौलाना अबुल इरफान खान नदवी के नाम से संबंधित अवार्ड खेतासराय निवासी अहमद कलाम हिशामी को प्रदान किया गया। अहमद कलाम पेशे से सैलून संचालक हैं, लेकिन पिछले करीब दो दशकों से अपनी दुकान पर ही दर्जनों बच्चों को निःशुल्क कुरआन और उर्दू की शिक्षा दे रहे हैं। उनसे शिक्षा हासिल करने वाले बच्चों की अच्छी-खासी संख्या है। खास बात यह है कि वह इस सेवा के बदले किसी तरह की फीस नहीं लेते, बल्कि इसे अपनी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी समझते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जौनपुर मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. ए.ए. जाफरी ने कहा कि मुसलमानों को मायूस होने की जरूरत नहीं है। ऐसे कार्यक्रमों के जरिए समाज को आत्ममंथन करना चाहिए और इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि आखिर किस तरह मुसलमानों को मौजूदा शैक्षिक और सामाजिक पिछड़ेपन से बाहर निकाला जा सकता है। मौलाना अनवार अहमद कासमी ने संरक्षक के रूप में शिक्षा के महत्व और उर्दू भाषा की अहमियत पर प्रकाश डाला। उन्होंने नई पीढ़ी को शिक्षा और अपनी भाषा से जुड़े रहने का संदेश दिया।

विशिष्ट अतिथि एवं जफराबाद चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान ने कहा कि उर्दू भाषा हमारी संस्कृति और तहजीब से जुड़ी हुई है। अगर भाषा खत्म हो गई तो हमारी संस्कृति भी प्रभावित होगी। इसलिए उर्दू भाषा के संरक्षण और उसके प्रचार-प्रसार के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। डॉ. नोमान खान ने अध्यक्षता करते हुए शिक्षा के महत्व और उर्दू भाषा की साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने शिक्षा को समाज की तरक्की का महत्वपूर्ण आधार बताया।

कार्यक्रम की शुरूआत हाफिज एहसान खैराबादी की कुरआन तिलावत से हुई और नबी की शान में नात अजीम जौनपुरी ने पेश की। कार्यक्रम का संचालन संयोजक पत्रकार अजवद कासमी ने किया। इस अवसर पर मौलाना अब्दुल वहीद कासमी, इरफान जौनपुरी, आरिफ खान, शाहनवाज मंजूर, अरशद कुरैशी, डॉ. शकील अहमद, सलीम खान, कमाल आजमी, शकील मंसूरी, अलमास अहमद सिद्दीकी, नियाज ताहिर शेखू, शाहनवाज अहमद, मेराज खान, इरफान इकबाल समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने सुनी फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. यशवीर सिंह ने गुरुवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना।

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों



के निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। पीड़ितों को प्राथमिकता के आधार पर न्यायोचित सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा करें, ताकि फरियादियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

मछलीशहर में डोर-स्टेप डिलीवरी के बकाया भुगतान में घोटाले का आरोप, मजिस्ट्रेटी जांच की मांग

पूर्ति निरीक्षक पर सरकारी धन के गबन का आरोप, मृतक व गैर-कोटेदारों के नाम भी भुगतान जारी होने का दावा

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील मछलीशहर में सरकारी डोर-स्टेप डिलीवरी योजना के बकाया भुगतान को लेकर बड़े वित्तीय घोटाले का मामला सामने आया है। सूत्रों के हवाले से आरोप लगाया जा रहा है कि पूर्ति निरीक्षक की कथित मिलीभगत से सरकारी धन का भुगतान नियमों को ताक पर रखकर कराया गया और धन के दुरुपयोग की आशंका है।

तहसील में कार्यरत एक प्राइवेट ऑपरेटर के हवाले से दावा किया गया है कि वर्ष 2000 से 2015 तक के डोर-स्टेप डिलीवरी के बकाया भुगतान के लिए सरकार से प्राप्त धनराशि को कुछ कोटेदारों के खातों में भेजकर कथित रूप से निकाल लिया गया। आरोप है कि भुगतान में ऐसे कोटेदारों के नाम भी शामिल किए गए, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज थी। इतना ही नहीं, कुछ मृतक कोटेदारों तथा ऐसे व्यक्तियों के नाम पर भी भुगतान जारी होने की बात कही जा रही है, जो कोटेदार ही नहीं हैं। इन आरोपों के सामने आने के बाद सरकारी धन के भुगतान की प्रक्रिया और लाभार्थियों की सूची पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मांग उठ रही है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष मजिस्ट्रेटी जांच कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सरकारी धन किन-किन लोगों के बैंक खातों में भेजा गया, भुगतान पाने वाले संबंधित व्यक्ति जीवित थे या नहीं तथा गैर-कोटेदारों के खातों में धनराशि किस आधार पर स्थानांतरित की गई।

अब देखना यह है कि जिला पूर्ति अधिकारी इस गंभीर प्रकरण को कितनी गंभीरता से लेते हैं और आरोपों की जांच के लिए क्या कदम उठाते हैं। फिलहाल संबंधित आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

भारत-नेपाल के रिश्तों की मिठास से महका दुद्धी का गोवर्धन पूजा महोत्सव

नेपाल के पूर्व मंत्री एवं सांसद मातृका प्रसाद यादव और मधेश प्रदेश की विधायक डॉ. रीना यादव की मौजूदगी रही खास आकर्षण, खौलते दूध का अनुष्ठान और भव्य कलश यात्रा ने मोहा मन

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता के संगम के रूप में दुद्धी में यादव महासभा एवं गोवर्धन पूजा समिति के तत्वावधान में 14वां भव्य गोवर्धन पूजा महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। इस बार नेपाल से पहुंचे विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। नेपाल सरकार के पूर्व मंत्री एवं सांसद मातृका प्रसाद यादव मुख्य अतिथि तथा मधेश प्रदेश नेपाल की विधायक डॉ. रीना यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ गाजे-बाजे के साथ निकाली गई भव्य कलश यात्रा से हुआ। महिलाओं और युवतियों ने प्राचीन शिवाजी तालाब से जल भरकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

महोत्सव का प्रमुख आकर्षण गाजीपुर से पहुंचे बाबा सुरेंद्र पंथी का पारंपरिक अग्नि एवं दुग्ध अनुष्ठान रहा। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच अग्नि प्रज्वलित कर दूध गर्म किया और उसी अग्नि पर खीर तैयार कराई। इसके बाद खौलते दूध से स्नान करने का अनुष्ठान प्रस्तुत किया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी।

मुख्य अतिथि मातृका प्रसाद यादव ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति के सम्मान, पर्यावरण संरक्षण और अहंकार त्यागने का संदेश देती है। उन्होंने समाज की उन्नति के लिए शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए लोगों से बच्चों को शिक्षित करने और सामाजिक एकजुटता बनाए रखने की अपील की।



विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ. रीना यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन जनकल्याण, सामाजिक समरसता और अहंकार त्यागने की प्रेरणा देता है। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश देती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश यादव ने की तथा संचालन सत्यनारायण यादव एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल यादव, जिलाध्यक्ष रामनिहोर यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामबिहारी यादव, संजय यादव, रामेश्वर राय, पूर्व प्राचार्य डॉ. रामजीत यादव, यदुनाथ यादव, बुधिनारायण यादव, हरिशंकर यादव, सरजू यादव, अभिनाथ यादव, अवधेश यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कोतवाली के एसएसआई संजय सिंह, एसआई श्यामजी यादव तथा महिला थाना प्रभारी संतु सरोज पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहीं।

नेपाल के जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से 14वां गोवर्धन पूजा महोत्सव भारत-नेपाल की सांस्कृतिक मित्रता, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का यादगार प्रतीक बन गया।

निर्माणाधीन पानी की टंकी के पास आपत्तिजनक हालत में मिले युवक-युवती, ग्रामीणों ने पुलिस को सौंपा

सिंगरामऊ,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव में गुरुवार को निमार्णाधीन पानी की टंकी के पास युवक-युवती के आपत्तिजनक हालत में मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने दोनों को मौके पर पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस दोनों को अपने साथ थाने ले गई। जानकारी के अनुसार, मिश्रौली गांव में निमार्णाधीन पानी की टंकी के पास ग्रामीणों ने एक युवक और युवती को संदिग्ध परिस्थितियों में देखा। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने दोनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। युवक की पहचान मिश्रौली निवासी मुकेश दूबे के रूप में बताई जा रही है। वहीं, युवती दूसरे गांव की रहने वाली बताई गई है। उसकी पहचान गोपनीय रखी गई है।

पुलिस कर रही मामले की जांचः इस संबंध में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे सिंगरामऊ थानाध्यक्ष अखिलेश मौर्य ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस दोनों को थाने लाकर प्रकरण की छानबीन में जुटी है।

वाहन चालक देश की व्यवस्था की रीढ़ः राजेन्द्र पाल गौतम

बक्शा में वाहन चालक कल्याण सम्मेलन आयोजित, दस सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया



बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाहन चालक, किसान और मजदूर देश की अर्थव्यवस्था एवं व्यवस्था की रीढ़ हैं। इनके परिश्रम से ही देश की तमाम व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चलती हैं। इसके बावजूद उनका शोषण किया जा रहा है। उक्त बातें उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम ने गुरुवार को वाहन चालक कल्याण समिति द्वारा आयोजित सम्मेलन में कहीं।

उन्होंने कहा कि वाहन चालक लोगों को सुरक्षित पहुंचाने से लेकर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कांग्रेस सरकार बनने पर चालकों के बीमा, सुरक्षा और सम्मान के लिए उचित कानून एवं योजनाएं बनाई जाएंगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी ने भी वाहन चालकों के हितों की रक्षा की बात कही। वहीं समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र यादव ने चालकों की समस्याओं को लेकर दस सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।

सम्मेलन में सैकड़ों वाहन चालकों सहित शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान, राकेश मिश्रा, शिव मिश्रा, लाल प्रकाश पाल, संदीप कपूर, बृजेश यादव, मनोज कुमार सिंह, इरशाद खान राजू, डॉ. अनित सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।



पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विधि विद्यार्थियों ने निकाली विधिक जागरूकता रैली

कुलपति ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, विद्यार्थियों ने लिया जागरूकता का संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधिक सहायता एवं सेवा केंद्र के तत्वावधान में गुरुवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर विधि संस्थान में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधिक जागरूकता रैली भी निकाली गई। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधि विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संस्थान के निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संचालित योजनाओं और गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विधि के विद्यार्थियों की समाज में कानूनी जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यार्थियों को जरूरतमंद लोगों तक उनके अधिकारों एवं निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी पहुंचाने के लिए आगे



आना चाहिए। कार्यक्रम में विधिक सेवा केंद्र के सह-संयोजक डॉ. इंद्रजीत सिंह ने निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित नियमों, केंद्र की जागरूकता गतिविधियों तथा आमजन को उपलब्ध विधिक सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना विधिक सेवा का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम का संचालन विधिक सेवा केंद्र के संयोजक डॉ. मंगला प्रसाद यादव ने किया। स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन केंद्र के सह-संयोजक डॉ. दिनेश सिंह ने किया। कार्यक्रम के बाद विधि संस्थान के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में जागरूकता रैली निकाली। रैली में विद्यार्थियों ने निःशुल्क विधिक सहायता, नागरिक अधिकारों एवं विधिक सेवाओं की उपयोगिता से जुड़े नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। विद्यार्थियों ने गरीब, वंचित एवं दिव्यांगजनों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी देने तथा जरूरतमंदों तक विधिक सहायता पहुंचाने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर डॉ. विपिन सिंह, डॉ. अनुराग मिश्र, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. शुभम सिंह, डॉ. आश्रया दुबे, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. राजन तिवारी सहित विधि संस्थान के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पंचायत भवन से लोहे के गाडर ले जा रहे थे; पुलिस को देखकर गाडर छोड़कर भागे चोर

महराजगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के गद्दोपुर में चोर पंचायत भवन से लोहे के गाडर ले जा रहे थे। पुलिस की गश्त के दौरान रात करीब एक बजे उनकी नजर चोरों पर पड़ी। पुलिस ने पीछा किया तो वे गाडर छोड़कर भाग गए। चोर पंचायत भवन से करीब 500 मीटर दूर दुर्गदेव इंटर कॉलेज के पास गाडर छोड़कर फरार हुए। ग्राम प्रधान राममिलन यादव ने बताया कि इलाके में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि चोर अब सार्वजनिक भवनों को भी निशाना बना रहे हैं। राममिलन यादव के मुताबिक, पुलिस की सक्रियता से गाडर चोरी होने से बच गए, लेकिन चोर भागने में सफल रहे। घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस से रात की गश्त बढ़ाने और चोरी में शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की।

दिवाली पर कैबिनेट मंत्री अतुल सावे ने अशोक शेलके के निवास पर की सद्भावना मुलाकात



वसई-विरार। महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री अतुल सावे ने दिवाली के शुभ अवसर पर वसई-विरार शहर महानगरपालिका के ग्रुप लीडर अशोक शेलके के निवास पर पहुंचकर उनसे शुभेच्छा मुलाकात की। इस दौरान मंत्री अतुल सावे ने अशोक शेलके एवं उनके परिवार को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सभी ने एक साथ दिवाली के पारंपरिक फराल (नाश्ते) का आनंद लिया और सौहार्दपूर्ण वातावरण में खुशियां साझा कीं। इस मुलाकात में वसई-विरार महानगरपालिका के विपक्ष नेता मनोज पाटिल सहित अन्य नगरसेवक एवं पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। दिवाली के इस मिलन समारोह में आपसी सद्भाव, स्नेह और भाईचारे की झलक देखने को मिली।

अनदेखी के कारण दम तोड़ रहा राजातालाब का संगम तालाब

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब पंचकोसी परिक्रमा पथ पर स्थित संगम तालाब देखरेख के अभाव में दम तोड़ रहा हैं। तालाब में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। एक ओर सरकार व प्रशासन जल संरक्षण व पानी के स्त्रातों को बचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, जागरुकता अभियान भी चला रही है। इसके बाद भी तालाबों की स्थिति काफी खराब है। देखरेख के अभाव में तालाब में गंदगी है।

पानी खराब हो चुका है। इसके बाद भी जिला प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। यहां में से अधिक बड़े व छोटे तालाब हैं। एक दो तालाबों को छोड़कर संगम तालाब की स्थिति काफी खराब है। कचनार गांव स्थित पंचकोसी परिक्रमा पथ पर तालाब प्लास्टिक पालीथीन, पानी पाउच, डिस्पोजल से अटा पड़ा है। वहीं तालाब सूखने के कारण खरपतवार उग आए हैं। तालाब सुंदरीकरण के लिए लाखों रुपये खर्च हो चुके हैं। इसके बाद भी स्थिति जस की तस है। तालाबों में नहीं होगा जलसंचयनः यहां के तालाबों की स्थिति काफी खराब है। आसपास के लोग घर से निकलने वाले कचरों को तालाब में फेंक रहे हैं। जिसके चलते तालाब का पानी गंदा हो रहा है। काई तालाब का पानी ही पूरी तरह से बदल गया है।

जिसके चलते लोगों निस्तारी करने से भी कतरा रहे है तालाब जलकुंभी से भी अटा पड़ा हुआ है। तालाब किनारे गंदगी का आलम है। जिसके चलते बरसात में जल का संचयन नहीं हो पा रहा है। जिला प्रशासन के जिम्मेदार भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। हाल ही में वही रोहनिया थाना क्षेत्र के बच्छाव में कटान के चलते कई मकान और जान तालाब में समा गए हैं जिला प्रशासन समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया तो यहां भी किसी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता है।

आवश्यक वस्तु कानून के प्रवर्तन पर व्यावहारिक संदर्भ-ग्रंथ का विमोचन

पटना(उत्तरशक्ति)। आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 तथा उससे संबंधित नियंत्रण आदेशों के प्रभावी और विधिसम्मत प्रवर्तन पर केंद्रित संदर्भ-ग्रंथ सर्च, सीज्योर, एफआईआर एंड कॉन्फिसकेशन - एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट, 1955 के अंतर्गत प्रवर्तन की व्यावहारिक मार्गदर्शिका का गायघाट, स्थित अवध ग्रीन्स में आयोजित समारोह में विमोचन हुआ। पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं बिहार आपूर्ति सेवा संघ के पूर्व अध्यक्ष तथा महासचिव शंकर मेहता ने किया। लेखक आलोक कुमार सिन्हा ने पुस्तक की पृष्ठभूमि और उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

यह पुस्तक अधिकारियों को केवल कानूनी प्रावधान बताने तक सीमित नहीं है, बल्कि निरीक्षण से लेकर विधिसम्मत कार्रवाई तक के विभिन्न चरणों को व्यावहारिक दृष्टि से समझाने का प्रयास करती है। इसमें तलाशी, जब्ती, नमूना संग्रह, प्राथमिकी, अभियोजन, अधिहरण, अभिलेखीकरण तथा प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों के साथ उपयोगी प्रारूपों को भी स्थान दिया गया है। संदर्भ-ग्रंथ में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अतिरिक्त कालाबाजारी निवारण से संबंधित कानून, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के नियंत्रण आदेश, बिहार से संबंधित प्रावधान तथा पेट्रोलियम उत्पादों के नियंत्रण आदेशों को समेकित किया गया है। विशेष संदर्भ बिहार होने के कारण यह सामग्री क्षेत्रीय प्रवर्तन कार्य में लगे अधिकारियों, प्रशिक्षुओं और विधि के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो सकती है। समारोह में पुस्तक के अभिमत-लेखकों राम नारायण लाल, प्रदीप कुमार सहनी और अंजनी कुमार श्रीवास्तव के संबोधन हुए। मुख्य अतिथि शंकर मेहता ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में पुस्तक की प्रशासनिक उपयोगिता और विधिक प्रक्रियाओं के सही अनुपालन के महत्त्व पर चर्चा हुई। विमोचन के बाद सामूहिक छायाचित्र लिया गया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया गया। लेखक आलोक कुमार सिन्हा सेवानिवृत्त सहायक अनुभाजन पदाधिकारी हैं। वे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, सीवान के पूर्व सदस्य तथा वर्तमान में जिला उपभोक्ता संरक्षण परिषद, पटना के सदस्य हैं। उन्होंने विभागीय संदर्भ-सामग्री के संकलन में योगदान दिया है। वे बिपार्ड में आईएएस एवं बीपीएससी के परिवीक्षाधीन पदाधिकारियों तथा आपूर्ति पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि संकाय एवं संसाधन व्यक्ति के रूप में भी कार्य करते रहे हैं।

नेत्र शिविर में 81 लोगों की जांच,38 ऑपरेशन के लिए चुने

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज ज्योत्सना संस्था और शंकरा आई हॉस्पिटल ने निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया। इसमें 81 लोगों की आंखों की जांच की गई और 38 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चुना गया। विशेषज्ञों ने मरीजों को परामर्श दिया और निःशुल्क दवाइयां बांटीं। ऑपरेशन के लिए चुने गए मरीजों को आगे के इलाज के लिए शंकरा आई हॉस्पिटल भेजा गया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मुमताज और डॉ. अभिषेक, नर्सिंग स्टाफ संजू, विजन केयर टेक्नीशियन इशाक, कैंप आयोजक पंकज त्रिपाठी और चालक हरिशंकर ने सेवाएं दीं। ज्योत्सना संस्था की ओर से डॉ. एस.एल. गुप्ता, प्रेम नारायण जायसवाल, मंत्री राजेश सिंह, निशाकांत जायसवाल, राम निरंजन मौर्य, राम केदार, मिठाई लाल, दीपक जायसवाल और विकास मौर्य सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया। आयोजकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क जांच और इलाज की सुविधा देना है। इससे आंखों की बीमारियों की समय रहते पहचान कर इलाज कराया जा सकेगा।

शादी, मस्ती और हंसी का तड़का: सूरज बड़जात्या और आयुष्मान खुराना द ग्रेट इंडियन कपिल शो में



मुंबई। रिश्तों पर मजेदार नोकझोंक से लेकर अपनी शादीशुदा जिंदगी के दिलचस्प अनुभव साझा करने तक, यह एपिसोड बेबाक बातचीत, हंसी-ठिठोली से भरे किस्सों और मनोरंजन का शानदार संगम पेश करेगा। नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 5 में दर्शकों को हंसी और मस्ती से भरपूर एक यादगार महफिल देखने को मिलेगी।

सूरज बड़जात्या की फिल्मों ने भारतीय सिनेमा को परिवार के साथ मनाए जाने वाले यादगार उत्सवों, भव्य शादियों और सदाबहार प्रेम कहानियों की कई अविस्मरणीय सौगातें दी हैं। अपनी विशिष्ट कहानी कहने की शैली और पारिवारिक मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए, फिल्मकार सूरज बड़जात्या एक बार फिर अपनी आगामी फिल्म ये प्रेम मोल लिया के माध्यम से दर्शकों के लिए एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजक फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस शनिवार, नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 5 में सूरज बड़जात्या के साथ फिल्म की पूरी स्टारकास्ट शिरकत करेगी। इस विशेष एपिसोड में आयुष्मान खुराना, शरवरी, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन, गीता अग्रवाल शर्मा, स्वानंद किरकिरे और सुरभि तिवारी शामिल होंगे। दर्शकों को इस दौरान बेबाक बातचीत, शादी-ब्याह से जुड़े दिलचस्प किस्सों और हंसी-मजाक से भरपूर मनोरंजक अनुभव देखने को मिलेगा। जब पारिवारिक समारोहों और भव्य शादियों को पर्दे पर खूबसूरती से प्रस्तुत करने वाले फिल्मकार से उनकी अपनी शादी से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं, तो बातचीत और भी दिलचस्प हो जाती है। इस एपिसोड में चर्चा का रुख सूरज बड़जात्या के निजी वैवाहिक जीवन की ओर मुड़ता है। इस दौरान यह भी जानने का प्रयास किया जाता है कि प्रेम और रिश्तों से जुड़े उनके व्यक्तिगत अनुभवों की झलक उनकी फिल्मों में दिखाई जाने वाली शादियों और पारिवारिक समारोहों में किस तरह देखने को मिलती है। आयुष्मान खुराना इस बातचीत को आगे बढ़ाते हुए सूरज बड़जात्या से महज 21 वर्ष की उम्र में शादी करने को लेकर एक दिलचस्प सवाल पूछते हैं। इसके बाद जब आयुष्मान की शादी की तस्वीर का जिक्र होता है, तो वे बताते हैं कि किस तरह सूरज बड़जात्या ने उन्हें पर्दे पर शादी के दौरान सेहरा न पहनने और घोड़ी पर न चढ़ने के उनके दोनों नियमों को तोड़ने के लिए तैयार कर लिया था। इस दौरान कपिल शर्मा भी अपनी मजेदार टिप्पणी से माहौल को और खुशनुमा बना देते हैं। वे सूरज बड़जात्या की उन पारिवारिक मनोरंजक फिल्मों की कास्टिंग शैली पर चुटकी लेते हुए कहते हैं, दो मां कर दो, दो बाप कर दो, दो बुआ, दो चाचा... लड़का-लड़की तो मेरे पास हैं।ह्व इसके बाद बातचीत का सिलसिला और भी मनोरंजक हो जाता है। फिल्म की पूरी स्टारकास्ट अपने-अपने वैवाहिक जीवन से जुड़े अनुभव और दिलचस्प किस्से साझा करती है।

दक्ष फाउंडेशन के संस्थापक सुरेश प्रजापति ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात



अहमदाबाद। दक्ष फाउंडेशन के संस्थापक एवं अखिल प्रजापति कुंभकार समाज के राष्ट्रीय संयोजक सुरेश प्रजापति ने अहमदाबाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों, समस्याओं एवं मांगों पर चर्चा की गई। साथ ही एक पत्रक सौंपकर सरकार का ध्यान समाज की प्रमुख समस्याओं की ओर आकर्षित कराया गया। सुरेश प्रजापति ने समाज के अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर कांतिलाल प्रजापति, सुरेश भाटी, जय कुमार यादव एवं मेवाड़ एकता फाउंडेशन के अध्यक्ष जीवन सिंघवी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पद्मश्री डॉ. लालजी सिंह के सम्मान में बरईपार-सिकरारा मार्ग पर स्मृति द्वार की मांग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप की गुहार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्थानीय संस्कृति, महापुरुषों एवं प्रतिष्ठित विभूतियों के सम्मान और उनकी स्मृतियों को संरक्षित करने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। इसी क्रम में जौनपुर जनपद के बरईपार-सिकरारा मार्ग पर पूर्व कुलपति एवं प्रख्यात वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. लालजी सिंह के नाम पर प्रवेश द्वार अथवा स्मृति द्वार का निर्माण कराए जाने की मांग लंबे समय से उठ रही है।क्षेत्रवासियों की यह पुरानी और जनभावनाओं से जुड़ी मांग अब तक पूरी नहीं हो सकी है।

स्थानीय स्तर पर कई बार



जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से लोगों में निराशा और नाराजगी व्याप्त है। यह स्थिति न केवल क्षेत्र की जनभावनाओं की अनदेखी है, बल्कि देश और समाज का नाम रोशन करने वाली महान विभूतियों के सम्मान के प्रति उदासीनता को भी दशार्ती है। सिकरारा क्षेत्र के शेरवां कलवारी गांव निवासी आचार्य पंडित राजीव मिश्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से और जौनपुर जिलाधिकारी से करबद्ध प्रार्थना करते हुए इस प्रकरण में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि जौनपुर जिला प्रशासन को तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं, ताकि बरईपार-सिकरारा मार्ग पर पद्मश्री डॉ. लालजी सिंह के नाम से भव्य प्रवेश द्वार अथवा स्मृति द्वार का निर्माण शीघ्र कराया जा सके। आचार्य पंडित राजीव मिश्रा ने कहा कि पद्मश्री डॉ. लालजी सिंह ने अपनी प्रतिभा, वैज्ञानिक उपलब्धियों और असाधारण योगदान से न केवल जौनपुर जनपद, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ाया है।

उनके नाम पर स्मृति द्वार का निर्माण होना क्षेत्र की आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा और स्थानीय लोगों की भावनाओं को भी सम्मान प्रदान करेगा। उन्होंने प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन से जनहित और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस मांग पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है।

अज्ञात वाहन ने दो बाइकों को टक्कर मारी, तीन लोग घायल, चार दिन के नवजात का शव भी क्षतिग्रस्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय स्थानीय थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर करीब 3:10 बजे अज्ञात वाहन ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोग घायल हुए। वाहन चालक दीदारगंज की तरफ भाग गया। हादसा जमदहा बर्धमारी पुलिया के पास हुआ। अब्बोपुर का एक परिवार अपने चार दिन के नवजात बच्चे का शव लेकर घर लौट रहा था। शाहगंज के केयर चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई थी। परिवार अंतिम संस्कार के लिए घर जा रहा था, तभी उनकी बाइक हादसे का शिकार हो गई। दूसरी बाइक पर चकमरूफपुर निवासी जोगिंद्र सवार थे। हादसे में उनके पैर में फ्रैक्चर हुआ है। घायलों का इलाज चल रहा है। टक्कर में नवजात का शव भी क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस फरार वाहन चालक की तलाश कर रही है।

आदित्य बिड़ला कैपिटल ने महाराष्ट्र के तलोजा में गोल्ड लोन कारोबार का विस्तार किया; नई शाखा का उद्घाटन किया



तलोजा। भारत की प्रमुख वित्तीय सेवा कंपनियों में से एक, आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड के एनबीएफसी कारोबार ने तलोजा में अपनी नई स्वतंत्र गोल्ड लोन शाखा शुरू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने गोल्ड लोन कारोबार का विस्तार किया है। इस नई शाखा की शुरूआत से आदित्य बिड़ला कैपिटल की वित्तीय सेवाओं में एक और सुविधा जुड़ गई है। इसके साथ ही कंपनी ने ग्राहकों को पारदर्शी, सुरक्षित और आसान तरीके से सोने के बदले लोन उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। ट्रांसयूनियन सिबिल की अप्रैल 2026 की गोल्ड लोन लैंडस्केप रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में 2025 के दौरान गोल्ड लोन देने की संख्या में पिछले साल की तुलना में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसके अलावा, देश में दिए गए कुल गोल्ड लोन में से 5.8 प्रतिशत लोन महाराष्ट्र में दिए गए। इससे पता चलता है कि महाराष्ट्र में संगठित और अधिकृत संस्थानों के माध्यम से सोने के बदले लोन लेने की मांग लगातार बढ़ रही है। रायगढ़ जिले में स्थित तलोजा, नवी मुंबई के पास है।

यहां नौकरीपेशा लोगों, खुद का व्यवसाय करने वालों और छोटे कारोबारियों की अच्छी संख्या है। इस वजह से तलोजा, आदित्य बिड़ला कैपिटल के बढ़ते गोल्ड लोन नेटवर्क के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। नई शाखा के उद्घाटन के अवसर पर आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और एनबीएफसी कारोबार के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर राकेश सिंह ने कहा, हमारे गोल्ड लोन कारोबार की शुरूआत ग्राहकों को आसान, सुरक्षित और उनकी जरूरतों के अनुसार वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तलोजा हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। यहां अलग-अलग तरह के ग्राहक हैं और उनकी आर्थिक जरूरतें भी बदल रही हैं। हम अपने कारोबार का विस्तार करते हुए गोल्ड लोन की सुविधा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं। इसके लिए हम ग्राहकों को पारदर्शी और आसान सेवा देने पर ध्यान दे रहे हैं, ताकि वे शाखा और डिजिटल माध्यमों से आसानी से लोन ले सकें। आदित्य बिड़ला समूह पर ग्राहकों के विश्वास और जिम्मेदारी के साथ लोन देने की हमारी सोच के साथ, हम तलोजा के ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने और उनकी वित्तीय जरूरतों को आसान, भरोसेमंद और सुविधाजनक तरीके से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सिंगरामऊ पुलिस ने 7,070 रुपये नकद बरामद किए, न्यायालय भेजा

सिंगरामऊ ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ में पुलिस ने चोरी के मामले में चन्दन कुमार को गिरफ्तार किया। उसके पास से 7,070 रुपये नकद मिले। कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया। थाना प्रभारी अखिलेश मौर्य ने बताया कि चन्दन कुमार पुत्र नन्हक साहनी बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में कौड़िया मोड़ का रहने वाला है। उसके खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 146/26 में धारा 316 (4) और 317(2) के तहत केस दर्ज है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक लच्छीराम राजभर और कांस्टेबल उत्कर्ष जायसवाल, रजत पाण्डेय एवं सतीश कसौधन शामिल थे।

ग्राम डडिया भदोही में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का हुआ समापन

-जगदीश तिवारी

भदोही (उत्तरशक्ति) । संत रविदास नगर भदोही के ग्राम डडिया, बौरीबोझ स्थित श्रीमद्भागवत कथा स्थल पर 4 नवंबर से 10 नवंबर 2026 तक आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण समापन हुआ। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर कथा का श्रवण किया और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहे।

कार्यक्रम के दौरान वृंदावन धाम से पधारे कथा वाचक पूज्य श्री डॉ. शिवेश शास्त्री जी महाराज ने अपनी मधुर वाणी एवं भावपूर्ण प्रवचनों से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा का रसपान कराया। कथा के विभिन्न प्रसंगों में भक्त प्रह्लाद, ध्रुव चरित्र, सुदामा चरित्र, भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, गोवर्धन पूजा एवं महारास जैसे प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया गया। सप्ताह भर चले इस धार्मिक आयोजन में 3 नवंबर को बेटी पूजन एवं कलश यात्रा, 7 नवंबर को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं श्रीरामावतार, 8 नवंबर को श्रीकृष्ण लीला एवं गोवर्धन पूजा तथा 9 नवंबर को महाभारत एवं रुक्मिणी विवाह जैसे धार्मिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। 10 नवंबर को सुदामा चरित्र, भागवत सार एवं परीक्षित मोक्ष प्रसंग के साथ कथा का विधिवत समापन हुआ। इसके पश्चात 11 नवंबर को पूर्णाहुति एवं हवन-पूजन तथा 12 नवंबर को महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस भव्य धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान श्रीमती सुशीला शुक्ला एवं श्री नन्हेलाल शुक्ला पुत्र दुर्गेश, विकेश, मंगेश नाती श्रेयश, श्रेयांश शिवांश, वर्शिका. एवं समस्त शुक्ल परिवार एवं ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग रहा।

आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं, ग्रामवासियों एवं सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में संस्कार, सद्भाव, आपसी प्रेम एवं आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देते हैं। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

विश्व कुराश चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर प्रीति पटेल का भव्य स्वागत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया विधानसभा के मथुरापुर भरथरा गांव निवासिनी प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रीति पटेल ने विश्व कुराश चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। कजाकिस्तान में 4 नवंबर से 9 नवंबर तक आयोजित प्रतियोगिता में 48 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर बुधवार को भारत लौटने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल के नेतृत्व में कोरौता चौराहे पर प्रीति पटेल का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने कहा कि काशी की बेटी प्रीति पटेल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीत दर्ज कर गांव, समाज और पूरे जिले का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं और प्रीति की यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। भाजपा परिवार उनकी उज्जवल भविष्य की कामना करता है। इस दौरान जिला महामंत्री संजीव सिंह गौतम, भाजपा नेता उमाशंकर पटेल, कोषाध्यक्ष जगदीश जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', शोशल मीडिया जिला संयोजक ओमप्रकाश पटेल, कोच अजित पटेल, अजय पटेल, अमित सिंह 'पीयूष', किशन सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शिव शौर्य एग्ज़िबिशन में शामिल हुईं विधायक स्नेहा दुबे पंडित



वसई। दिवाली पड़वा के शुभ अवसर पर वसई स्थित विक्ट्री हाइट्स कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी द्वारा आयोजित ह्यइतिहास के निशान - शिव शौर्य एग्ज़िबिशन में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित शामिल हुईं। इस प्रदर्शनी में ऐतिहासिक सिक्कों, दुर्लभ हथियारों, प्राचीन वस्तुओं और पारंपरिक लाठी-डंडों के माध्यम से महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास और वीरता की झलक प्रस्तुत की गई। प्रदर्शनी में छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य, स्वराज्य की प्रेरणा और ऐतिहासिक विरासत को दशार्या गया। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने आयोजकों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने आयोजनकताओं को इस सराहनीय प्रयास के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इतिहास केवल पढ़ने का विषय नहीं, बल्कि उसे समझने, अनुभव करने और गर्व के साथ अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी हमारी है।





11 लाख दीपों से दमकेगी काशी, गंगा की लहरों पर भी दिखेगा अनुशासन की नई धारा

सुरेश गांधी

वाराणसी। देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी एक बार फिर आस्था के दीपों से जगमगाने को तैयार है। कार्तिक पूर्णिमा की वह अलौकिक बेला, जब गंगा के अर्धचंद्राकार घाट दीपों की असंख्य ज्योतियों से स्वर्णिम हो उठते हैं और जलधारा पर थिरकती रोशनियां मानो आकाश के तारों को धरती पर उतार लाती हैं, इस बार और भव्य स्वरूप में सामने आएगी। 24 नवंबर को देव दीपावली पर काशी के घाटों से लेकर कुंडों तक 11 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। गंगा की लहरों पर दीपों का प्रतिबिंब और घाटों पर आस्था का महासागर देश-दुनिया के पर्यटकों को एक बार फिर काशी की सांस्कृतिक विरासत का साक्षी बनाएगा। इस बार आयोजन की भव्यता के साथ सुरक्षा, यातायात और नदी में नौका संचालन को लेकर भी व्यापक बदलाव किए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ से वाराणसी में गंगा महोत्सव और देव दीपावली की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि देव दीपावली केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि काशी की सांस्कृतिक पहचान, परंपरा और वैश्विक प्रतिष्ठा का उत्सव है। लिहाजा इसकी दिव्यता के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को पिछले वर्षों के अनुभवों और व्यवस्थागत चुनौतियों से सीख लेते हुए इस बार और बेहतर इंतजाम करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देव दीपावली का उल्लास केवल घाटों तक सीमित न रहे, बल्कि पूरी काशी और ग्रामीण अंचलों में भी पर्व का वैभव दिखाई दे।

इस वर्ष सभी पक्के घाटों के साथ गंगा पार रेतीले तट और शहर के 100 से अधिक कुंडों पर 11 लाख से अधिक दीप जलाए जाएंगे। दीपोत्सव को सुव्यवस्थित स्वरूप देने के लिए घाटों और रेतीले तट को अलग-अलग सेक्टरों में बांटकर नोडल अधिकारियों की तैनाती की जा रही है। इस आयोजन में महिला स्वावलंबन की झलक भी दिखेगी। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए दीपक भी घाटों को रोशन करेंगे। इससे आस्था के इस महापर्व के साथ स्थानीय महिलाओं की आजीविका और आत्मनिर्भरता को भी नया मंच मिलेगा। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों के साथ सारनाथ, मार्कण्डेय महादेव मंदिर, शूलटंकेश्वर मंदिर और प्रमुख कुंडों पर भी विशेष दीपोत्सव आयोजित करने के निर्देश दिए। उनका जोर इस बात पर रहा कि



काशी का यह पर्व केवल गंगा किनारे का दृश्य न बने, बल्कि नगर के हर हिस्से में उत्सव की अनुभूति हो। संयोग से 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती भी है। इसे देखते हुए गुरुद्वारों में लंगर, कीर्तन और संगत के लिए भी समुचित व्यवस्था करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों के साथ सारनाथ, मार्कण्डेय महादेव मंदिर, शूलटंकेश्वर मंदिर और प्रमुख कुंडों पर भी विशेष दीपोत्सव आयोजित करने के निर्देश दिए। उनका जोर इस बात पर रहा कि काशी का यह पर्व केवल गंगा किनारे का दृश्य न बने, बल्कि नगर के हर हिस्से में उत्सव की अनुभूति हो। संयोग से 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती भी है। इसे देखते हुए गुरुद्वारों में लंगर, कीर्तन और संगत के लिए भी समुचित व्यवस्था करने को कहा गया है। देव दीपावली से पहले 20 से 23 नवंबर तक नमो घाट पर गंगा महोत्सव सजेगा। चारों दिन सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन होगा। मुख्यमंत्री ने इसमें स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया, ताकि काशी और पूर्वांचल की लोककला, संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं को राष्ट्रीय मंच मिल सके। 24 नवंबर की शाम सभी प्रमुख घाटों पर दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। दशाश्वमेध घाट पर विश्वप्रसिद्ध गंगा महाआरती होगी। इसके बाद चेत सिंह घाट पर प्रोजेक्शन और लेजर शो के जरिए काशी की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक गाथा को रोशनी और तकनीक के माध्यम से जीवंत किया जाएगा। दशाश्वमेध और अस्सी घाट के सामने ड्रोन शो तथा काशी विश्वनाथ धाम के सामने ग्रीन आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र होगी। गंगा की अविरल धारा, घाटों की दीपमालाएं और आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी मिलकर ऐसा दृश्य रचेंगी, जिसमें परंपरा और आधुनिक तकनीक का अद्भुत मेल दिखाई देगा।

पिछले वर्षों में देव दीपावली के दौरान गंगा में नावों की भीड़ और एक-दूसरे के आमने-सामने आने से पैदा होने वाली अव्यवस्था को देखते हुए इस बार नदी में नौका संचालन का नया प्रयोग किया जा रहा है। नमो घाट से अस्सी घाट के बीच फ्लोटिंग वॉटर जेट्टी लगाकर पहली बार टू-वे लेन सिस्टम बनाया गया है। इसके तहत नावें नमो घाट से अस्सी घाट की ओर एक निर्धारित मार्ग से जाएंगी, जबकि वापसी में गंगा के दूसरी ओर रेतीले तट की तरफ से नमो घाट पहुंचेंगी। इससे नावों के आमने-सामने आने की स्थिति कम होगी और जलमार्ग पर आवाजाही अधिक व्यवस्थित रहेगी। नदी में डीजल चालित और गैर-जनपदीय बाहरी नावों के संचालन पर रोक रहेगी। नाविकों को सुरक्षा और सुव्यवस्थित संचालन का प्रशिक्षण देने पर भी मुख्यमंत्री ने विशेष जोर दिया। राहत एवं बचाव के लिए एनडीआरएफ, फ्लड पीएसी, जल पुलिस और वॉटर एम्बुलेंस लगातार गश्त करेंगी। चेत सिंह घाट पर फ्लोटिंग रेस्क्यू स्टेशन भी सक्रिय रहेगा। कार्तिक पूर्णिमा स्नान और देव दीपावली पर लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए घाट क्षेत्र को 10 जोन, 21 सेक्टर और 36 सब-सेक्टर में बांटा गया है। प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों की तैनाती होगी। सुरक्षा के लिए 27 वॉच टावर बनाए जाएंगे। ड्रोन कैमरों से भीड़ पर निगरानी रखी जाएगी। त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी), 21 प्रमुख घाटों पर एंटी रोमियो स्क्वॉड और निजी गोताखोर तैनात रहेंगे। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सहायता के लिए 11 खोया-पाया केंद्र बनाए जाएंगे।

प्रभाकर शुक्ल ने उद्योगपति राजेंद्र बग्गा से की आत्मीय मुलाकात, दीपावली की दी शुभकामनाएं



-आदेश मिश्र

मुंबई। लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि तथा श्री रामलीला उत्सव समिति, विक्रोली पार्कसाइट के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल (रिंकू भइया) ने सनातन धर्म के प्रखर समर्थक एवं प्रतिष्ठित उद्योगपति राजेंद्र बग्गा से मुंबई के जुहू स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर प्रभाकर शुक्ल ने राजेंद्र बग्गा को श्री राम नामी दुपट्टा एवं संकल्प पत्रिका भेंटकर दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मुलाकात के दौरान सामाजिक, धार्मिक एवं विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। और समाजहित, धार्मिक मूल्यों एवं सामाजिक दायित्वों से जुड़े विषयों पर सार्थक एवं सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। इस आत्मीय एवं सौहार्दपूर्ण मुलाकात के अवसर पर पोद्दार मेडिकल कॉलेज के पूर्व डिन डॉ. दीपनारायण शुक्ला, लखनऊ से मुंबई प्रवास पर आए हुए डॉ. प्रशांत शुक्ला एवं पत्रकार आदेश मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह भेंट आपसी सद्भाव, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक रही।

जब गंगा बनती हैं यमुना, काशी में उतरते हैं कन्हैया...



वाराणसी। काशी की सांझ जब गोधूली के रंग में रंगती है, गंगा की लहरें जब आस्था की थाप पर थिरकने लगती हैं और तुलसी घाट का हर कोना राधे-कृष्ण के जयघोष से भर उठता है, तब लगता है मानो वृंदावन स्वयं काशी की धरती पर उतर आया हो। यहां यमुना कहीं बाहर नहीं बहती, मां गंगा ही कालिंदी का रूप धर लेती हैं। कदंब की डाल से एक बालक छलांग लगाता है और कुछ ही क्षणों में कालिया नाग के विशाल फन पर बांसुरी बजाते हुए प्रकट होता है। यह कोई रंगमंचीय दृश्य नहीं, बल्कि आस्था के महासागर में सदियों से जीवंत होती आ रही काशी की अनूठी परंपरा नाग नथैया लीला है। शुक्रवार को तुलसी घाट एक बार फिर इसी अलौकिक दृश्य का साक्षी बनेगा। करीब पांच शताब्दियों से चली आ रही इस लीला में भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के दर्शन के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। दोपहर से ही घाट की सीढ़ियों, छतों, बारजों और गंगा की गोद में खड़ी नावों पर आस्थावानों का जमघट लगने लगेगा। लेकिन सबकी निगाहें शाम 4:40 बजे पर टिकी होंगी, जब नटखट कान्हा कदंब की डाल से गंगा रूपी यमुना में छलांग लगाएंगे। इस परंपरा की जड़ें संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास से जुड़ी हैं। मान्यता है कि 1608 से 1611 के बीच तुलसीदास ने तुलसी घाट पर श्रीकृष्ण के कालियामर्दन प्रसंग को जीवंत करने की परंपरा शुरू की। रामभक्ति की अविरल धारा के बीच उन्होंने काशीवासियों को कृष्ण की बाल लीलाओं से भी जोड़ने का प्रयास किया। शुरूआत में श्रीमद्भागवत कथा इसका आधार बनी। बाद में 18वीं शताब्दी में ब्रज के संत ब्रजवासीदास के रचित 'ब्रज विलास' के आधार पर झांझ-मृदंग और पद-गायन के साथ इसके मंचन की विशिष्ट शैली विकसित हुई। तभी से यह लीला काशी की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा बनी हुई है। मुगलकाल में भी इस परंपरा की लौ बुझी नहीं। जनश्रुति है कि बादशाह अकबर भी इस लीला को देखने पहुंचे थे। बदलते समय, सत्ता और पीढ़ियों के बावजूद तुलसी घाट पर इसका मंचन निरंतर होता रहा। संकट मोचन मंदिर का महंत परिवार इस विरासत को आगे बढ़ा रहा है। महंत प्रो. विश्वंभरनाथ मिश्र के नेतृत्व में आज भी आयोजन की परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है।

लीला का दृश्य जितना सहज दिखाई देता है, उसके पीछे उतनी ही सूक्ष्म तैयारी और जोखिम भरी व्यवस्था होती है। शाम को ब्रजविलास के पदों का गायन शुरू होता है। सखाओं के साथ गेंद खेलते नटवर नागर की गेंद गंगा में जा गिरती है। फिर वही स्वर वातावरण में गूंजता है– 'यह कहि नटवर मदन गोपाला, कूद परे जल में नंदलाला...' इसके साथ ही बालकृष्ण का स्वरूप धारण किए किशोर कदंब की डाल से गंगा में छलांग लगा देता है। कुछ पल के लिए घाट पर सन्नाटा पसर जाता है। हजारों आंखें गंगा की लहरों पर टिक जाती हैं। फिर पीपे के भीतर बनाई गई विशेष व्यवस्था और विशेषज्ञ तैराकों की मदद से बाल स्वरूप कालिया नाग के विशाल फन पर विराजमान होकर बाहर आता है। हाथों में बांसुरी, चेहरे पर बालसुलभ मुस्कान और फन पर थिरकते चरण। दरअसल, गंगा की गोद में पहले से विशेष रूप से तैयार किए गए पीपे के भीतर एक प्रशिक्षित और बलशाली युवक मौजूद रहता है। बालकृष्ण के पानी में छलांग लगाते ही वह उन्हें अपने साथ पीपे के भीतर लेता है और वहां स्थापित कालिया नाग के विशाल फन पर खड़ा करता है। इसके बाद बाल स्वरूप उसी फन पर विराजमान होकर बांसुरी बजाते हुए बाहर प्रकट होता है। यह पूरा दृश्य इतना सहज और जीवंत दिखाई देता है कि दर्शकों की आंखें खुली की खुली रह जाती हैं। पांच मिनट पहले गंगा की लहरों में समाया बालक जब कालिया के फन पर बांसुरी बजाते हुए सामने आता है तो तुलसी घाट जय श्रीकृष्ण और हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठता है। इस लीला को देखने का सबसे बड़ा रोमांच यही है कि दर्शकों के सामने छलांग और फिर फन पर विराजमान कान्हा का प्राकट्य दोनों होते हैं, लेकिन पानी के भीतर की प्रक्रिया उनकी आंखों से ओझल रहती है। यही अंतराल इस आयोजन को सामान्य मंचन से अलग पहचान देता है। बस, इसी एक दृश्य के साथ पूरा तुलसी घाट जय श्रीकृष्ण और हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठता है। घंट-घड़ियाल, शंखनाद, डमरुओं की थाप और महताबी की रोशनी के बीच भगवान की आरती उतारी जाती है। श्रद्धालु इस क्षण को कैमरों में कैद करने के साथ अपनी स्मृतियों में भी संजो लेते हैं। काशी नरेश अनंत नारायण सिंह भी परंपरानुसार बजड़े से लीला के दर्शन करते हैं। गंगा की लहरों पर तैरती नावें, घाटों पर उमड़ता जनसमुद्र और आकाश में गूंजता जयघोष इस दृश्य को अद्वितीय बना देता है।

शीतला माता मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद,अब शुरू हुआ टंकी का निर्माण



चिराना (उत्तरशक्ति)। ग्राम पंचायत के मोक्षधाम के पास शीतला ढुंगरी पर स्थित सदियों पुराने प्राचीन शीतला माता मंदिर प्रागण में बुधवार को महावीर कुमावत ने पानी की टंकी का निर्माण कार्य शुरू करवाया है। इस से पूर्व जीर्णोद्धार का कार्य छगन लाल बारी ने भी बुधवार को ही पंडित मनोज शर्मा के पाण्डित्य में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भड़ल्या नवमी के शुभ मुहर्त में माता शीतला की नवीन मूर्ति की विधि- विधान से स्थापना की गई थी। ग्रामीणों के अनुसार माने तो,यह मंदिर पहले अपने चमत्कारों के लिए दूर-दूर तक प्रसिद्ध था। इस संदर्भ में बात की तो चिराना निवासी छगन लाल बारी ने बताया कि माता रानी ने मुझे सपने में आकर इस प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार की प्रेरणा दी/बात कही थी। इसके बाद उन्होंने इस पुनीत कार्य को मंदिर बनाकर पूरा किया। छगन लाल बारी ने मंदिर के मुख्य रास्ते को जेसीबी की सहायता से सुगम बनवाया और कांटेदार जंगल साम्राज्य को हटाया और क्षतिग्रस्त भवन की मरम्मत करवाई।अब माता के हुक्म से ही महावीर प्रसाद कुमावत पट्टियों के बड़े वाला ने यह जल हेतु पानी की टंकी बना रहा है तो वहीं डॉ राजेंद्र कुमावत ने भी टंकी का काम पूरा होते ही माता के मुख्य रास्ते पर एक गेट (तोरण द्वार) बना कर देने की बात कही है। अनिल बारी ने बताया कि मंदिर परिसर में साफ- सफाई होने के बाद अब यह टंकी बन जाने से यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पानी और बिजली की पुख्ता व्यवस्था हो जाएगी। टंकी के इस शुभ मुहर्त की बेला पर नवनिर्वाचित सरपंच पति (प्रतिनिधि) बाबूलाल सैनी,किशोर सिंह, समाज सेवी डॉ राजेंद्र कुमावत,वार्डपंच महेश सैनी, प्रभुदयाल मिस्त्री, अशोक कुमार,नंदलाल कुमावत,प्रहलाद चौकीदार, प्रियांशु बारी सहित कई गणमान्य लोग व महिलाओ ने उपस्थित होकर इस कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

इंदौर हत्याकांड और आत्महत्या मामले में नया मोड़, फैजान गिरफ्तार

बच्ची ने पिता को फोन कर दी थी चेतावनी– पापा, घर मत आना, वे लोग आपको मार देंगे, पुलिस मोबाइल रिकॉर्डिंग की कर रही जांच

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के राऊ थाना क्षेत्र की साईं विहार कॉलोनी में हुए सनसनीखेज हत्या और आत्महत्या के मामले में नया मोड़ सामने आया है। पुलिस ने जांच के बाद फैजान नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात मृतक की नौ वर्षीय बेटी का वह फोन कॉल है, जिसमें उसने अपने पिता पवन सोनी को घर नहीं आने की चेतावनी दी थी। बच्ची ने फोन पर कहा था, "पापा, घर मत आना... मां ने घर की बिजली बंद कर दी है। फैजान अंकल भी अंदर हैं। वे लोग आपको मार देंगे।"

पुलिस जांच के अनुसार, पवन सोनी और उनकी पत्नी वर्षा सोनी के बीच फैजान से वर्षा की दोस्ती को लेकर अक्सर विवाद होता था। इसी पारिवारिक तनाव के बीच पवन ने कथित तौर पर धारदार हथियार से पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी और बाद में खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

जांच में यह भी सामने आया है कि फैजान की मुलाकात वर्षा सोनी से उस समय हुई थी, जब वह पवन की दुकान पर टीन शेड का काम करने आया था। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बातचीत और संपर्क बढ़ गया था। पुलिस को फैजान और वर्षा के बीच हुई बातचीत की कई घंटों की रिकॉर्डिंग मिलने की भी जानकारी सामने आई है। फिलहाल पुलिस मोबाइल फोन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच कर रही है। साथ ही मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। फैजान की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

इस पूरे घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, मामले में सामने आए आरोपों और तथ्यों की पुष्टि पुलिस जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगी।

केएनएमए प्रस्तुत करता है 'वॉयसेस फ्रॉम द अर्थ: विमेन, नेचर, पावर

मुंबई। किरण नाडर म्यूजियम ऑफ आर्ट (केएनएमए) (KNMA) ने ART MUMBAI के चौथे संस्करण के लिए मुंबई में अपनी वापसी की घोषणा की है। यह आयोजन 12 से 15 नवंबर 2026 तक महालक्ष्मी रेसकोर्स में होगा, इस वर्ष केएनएमए (KNMA) 'सैफ्रनआर्ट फाउंडेशन' (Saffronart Foundation) के सहयोग से 'वॉयसेस फ्रॉम द अर्थः विमेन, नेचर, पावर' (Voices from the Earth: Women, Nature, Power) प्रस्तुत करेगा। केएनएमए (KNMA) में 'इंडियन क्लासिकल, फोक एंड ट्राइबल आर्ट्स' (भारतीय शास्त्रीय, लोक और जनजातीय कला) की प्रमुख एवं सीनियर क्यूरेटर, डॉ. प्रीति बहादुर रामास्वामी द्वारा क्यूरेट की गई यह प्रदर्शनी, भारत की विविध पारंपरिक कला शैलियों में काम करने वाली महिलाओं की रचनात्मक क्षमता और उनके कलात्मक योगदान का जश्न मनाती है। मधुबनी, राजवार, भील, बैगा, गोंड, जोगी, बंगाल पटचित्र और वारली जैसी कला परंपराओं को एक साथ लाते हुए यह प्रदर्शनी महिलाओं,



प्रकृति, पारिस्थितिकी (ecology) और सांस्कृतिक स्मृति के आपस में जुड़े विषयों की पड़ताल करती है। यह प्रदर्शनी घरों की दीवारों और अनुष्ठानिक स्थानों से लेकर कागज और कैनवास तक कलात्मक प्रथाओं के सफर को दर्शाती है। इसमें उन महिला कलाकारों के अहम योगदान को मान्यता दी गई है, जिन्होंने इन परंपराओं के इतिहास को बदल दिया। इनमें मधुबनी परंपरा की गंगा देवी और छत्तीसगढ़ के सरगुजा की सोना बाई रजवार शामिल हैं, जिनकी कलात्मक यात्राएं इस बदलाव के महत्वपूर्ण पड़ावों को चिह्नित करती हैं। अंदर की दो कलाकृतियां गंगा देवी और सोना बाई रजवार को समर्पित हैं। प्रेरणा झा और स्वाति कश्यप द्वारा बनाई गई एक बड़ी मधुबनी कलाकृति, गंगा देवी की 'नैना जोगिन' ट्राइंग (जो KNMA संग्रह में मौजूद है) से प्रेरित है। यह उस 'सुरक्षा देने वाली स्त्री' के रूप को फिर से सामने लाती है, जिसे पारंपरिक रूप से मिथिला के घरों में विवाह-कक्षों की दीवारों पर बनाया जाता था। दूसरी तरफ रजवार परंपरा के कलाकार मिट्टी से एक उभारदार (रिलीफ) इंस्टॉलेशन तैयार करेंगे, जो सोना बाई रजवार के घर की दीवारों से प्रेरित है। इसमें ज्यामितीय पैटर्न, जालियां और कथात्मक आकृतियां एक साथ देखने को मिलेंगी। केएनएमए (KNMA) में सीनियर क्यूरेटर और 'इंडियन क्लासिकल, फोक एंड ट्राइबल आर्ट्स' की प्रमुख, डॉ. प्रीति बहादुर रामास्वामी ने कहा, वॉयस फ्रॉम द अर्थः विमेन, नेचर, पावर' (धरती की आवाजें: महिलाएं, प्रकृति, शक्ति) के जरिए हम उन महिलाओं के कलात्मक योगदान को सामने लाना चाहते हैं, जिन्होंने भारत की विविध पारंपरिक कला शैलियों को एक नई दिशा दी है।

एचडीएफसी लाइफ ने पेश की डिजिटल माइक्रोड्रामा सीरीज लिफ्ट योर प्रोटेक्शन

मुंबई। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में से एक एचडीएफसी लाइफ ने युवाओं के मध्य जीवन बीमा की जरूरत और उसके महत्व को बढ़ावा देने के लिए चार एपिसोड की डिजिटल माइक्रोड्रामा सीरीज लिफ्ट योर प्रोटेक्शन लॉन्च की है। यह पहल वित्तीय योजना में सुरक्षा को अधिक अहम बनाने के लिए कंपनी के लगातार किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। इसके तहत छोटे वीडियो और मनोरंजन के जरिए जीवन बीमा की जरूरत को लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ने की कोशिश की गई है। एचडीएफसी लाइफ के मार्केटिंग प्रयासों में बीमा सुरक्षा हमेशा से एक अहम विषय रहा है। लिफ्ट योर प्रोटेक्शन माइक्रोड्रामा सीरीज कंपनी के हालिया टर्म इंश्योरेंस अभियान को आगे बढ़ाती है। इसके जरिए बदलती पसंद और जरूरतों के अनुरूप एक नए और आधुनिक तरीके से बीमा सुरक्षा पर चर्चा की गई है। इस सीरीज का उद्देश्य केवल लोगों को जागरूक करना ही नहीं, बल्कि उन्हें अपनी बीमा जरूरतों के बारे में सोचने और यह समझने के लिए प्रेरित करना भी है कि टर्म इंश्योरेंस उनके परिवार के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित रखने में किस तरह मदद कर सकता है। इस कहानी की शुरूआत लिफ्ट में होने वाली एक सामान्य यात्रा से होती है। इसमें चार लोग अपनी योजनाओं और जिम्मेदारियों में व्यस्त नजर आते हैं। तभी अचानक एक ऐसी घटना होती है, जो उनका दिन बदल देती है। कहानी के पात्रों और घटनाओं के जरिए यह बताया गया है कि लोग अपनी जिंदगी के कई पहलुओं की योजना तो बनाते हैं, लेकिन अचानक आने वाली मुसिबतों से निपटने के लिए आर्थिक तैयारी अक्सर पीछे छूट जाती है। रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी इस कहानी के जरिए सीरीज का उद्देश्य लोगों को आर्थिक सुरक्षा की जरूरत समझाने और जीवन बीमा को इस दिशा में एक अहम कदम के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस लॉन्च पर एचडीएफसी लाइफ की मार्केटिंग और सीएसआर प्रमुख प्रितिका शाह ने कहा, एचडीएफसी लाइफ में हमारा ध्यान टर्म इंश्योरेंस पर लगातार बना हुआ है।

भारत में किआ इंडिया का बड़ा विस्तार

मुंबई। भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और देश की ऑटोमोटिव विकास क्षमता में अपने विश्वास को दोहराते हुए, किआ इंडिया ने आज आंध्र प्रदेश में अपना दूसरा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए किआ और उसके सप्लायर पार्टनर्स द्वारा २ बिलियन अमेरिकी डॉलर के संयुक्त निवेश की घोषणा की। यह घोषणा आंध्र प्रदेश सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद की गई है, जो किआ इंडिया की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। किआ और इसके सप्लायर्स के लिए कुल ४६५ एकड़ में फैली इस प्रस्तावित सुविधा से लगभग १२,००० अतिरिक्त प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इस प्लांट से वार्षिक विनिर्माण क्षमता में २ लाख यूनिट्स की बढ़ोतरी होगी, जिससे दोनों संयंत्रों को मिलाकर किआ इंडिया की कुल क्षमता ६ लाख यूनिट्स से अधिक हो जाएगी। यह विस्तार किआ की विनिर्माण क्षमताओं और भारत के औद्योगिक विकास में इसके योगदान को और मजबूत करेगा। अपने मौजूदा विनिर्माण आधार को आगे बढ़ाते हुए, यह दूसरा प्लांट किआ इंडिया की उत्पादन क्षमताओं को सुदृढ़ करेगा और विकास के अगले चरण के लिए एक मजबूत नींव तैयार करेगा। अपने दोनों संयंत्रों में ५ बिलियन अमेरिकी डॉलर तक के कुल संचयी निवेश के साथ, किआ भारत में अपनी उपस्थिति को और गहरा कर रही है। यह किआ की महत्वाकांक्षाओं के लिए भारत के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है, साथ ही विनिर्माण विकास, रोजगार सृजन और व्यापक ऑटोमोटिव इकोसिस्टम में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस निवेश के रणनीतिक महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ, ग्वांगु ली ने कहा, किआ की दीर्घकालिक विकास महत्वाकांक्षाओं में भारत का स्थान केंद्र में है, और अनंतपुर में परिचालन शुरू करने के बाद से हमारे ग्राहकों ने हम पर जो विश्वास दिखाया है, वह हमारी इस यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

घनश्याम दुबे की 75वीं जयंती पर 'GRD10' का विधायक संजय उपाध्याय ने किया शुभारंभ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पश्चिम स्थित श्रीकृष्णा कॉम्प्लेक्स में पूर्व विधान परिषद सदस्य एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता स्वर्गीय घनश्याम राजनारायण दुबे की 75वीं जयंती के अवसर पर उनकी स्मृति, विचारों और सामाजिक योगदान को समर्पित' GRD10 – A Legacy of Inspiration 'संस्था का भव्य शुभारंभ किया गया। भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर इस पहल का औपचारिक शुभारंभ किया। इस गरिमामय अवसर पर असम के राज्यपाल आचार्य लक्ष्मण प्रसाद ऑनलाइन माध्यम से जुड़े और अपनी शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किए। निरंजन हीरानंदानी सहित बॉलीवुड की प्रतिष्ठित हस्तियों तथा सामाजिक, शैक्षणिक और अन्य क्षेत्रों के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, आरटीआई कार्यकर्ता



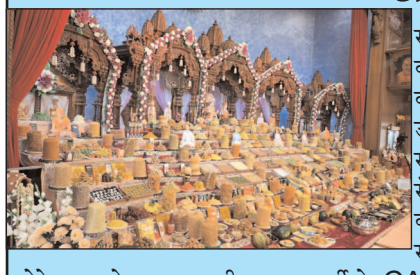
एवं पत्रकार अनिल गलगली, डॉ. राधेश्याम तिवारी, धर्मराज दुबे, पत्रकार बृजमोहन पांडे, फिल्म युनियन नेता बी.एन. तिवारी, अशोक दुबे, डॉ. सागर त्रिपाठी, विनोद पाठक, डॉ. नीरज दुबे, एड अवनीश सिंह, पत्रकार अभय मिश्रा, हरगोविंद विश्वकर्मा और राजकिशोर तिवारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन आरजे जैन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अनिल गलगली ने किया। स्वर्गीय घनश्याम राजनारायण दुबे पहलवान, राजनेता और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय प्रभावशाली व्यक्तित्व थे। शिवसेना की ओर से विधान परिषद सदस्य रहे दुबे ने उत्तर भारतीय समाज को एकजुट करने और सामाजिक स्तर पर संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी इसी सामाजिक प्रतिबद्धता, संघर्ष और जनसेवा की विरासत को संस्थागत स्वरूप देकर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से उनकी सुपुत्री डॉ. सुनीता दुबे, मैनेजिंग डायरेक्टर, आर्यन हॉस्पिटल एंड मेडिकल सेंटर ने GRD10 की परिकल्पना की है।

GRD10 के माध्यम से प्रतिवर्ष प्रतिभाशाली व्यक्तियों और जमीनी स्तर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। इनमें पारंपरिक कुश्ती एवं अखाड़ा संस्कृति, खेल, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, पत्रकारिता तथा सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्र प्रमुख होंगे। महाराष्ट्र में उत्तर भारतीय समाज के सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और राष्ट्र निर्माण में योगदान को भी इस पहल में विशेष स्थान दिया जाएगा।

कार्यक्रम में आर्यन दुबे ने आगामी वर्ष में प्रदान किए जाने वाले पांच पुरस्कारों की रूपरेखा प्रस्तुत की। वहीं, डॉ. सुनीता दुबे ने सामाजिक सरोकारों के तहत कैंसर पीड़ितों और स्कूली विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुनीता दुबे ने बोरिवली में स्वर्गीय घनश्याम दुबे के नाम पर कुश्ती अकादमी स्थापित करने तथा क्षेत्र में सड़क और विद्यालय निर्माण से संबंधित विकास परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा। इस संबंध में विधायक संजय उपाध्याय को पहल की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित कार्यों की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और शीघ्र सकारात्मक परिणाम आने की अपेक्षा है। कार्यक्रम के माध्यम से स्वर्गीय घनश्याम दुबे के सामाजिक योगदान और विचारों को स्मरण करते हुए उनकी जनसेवा की विरासत को पुरस्कारों, संस्थागत पहलों और समाजोपयोगी कार्यों के जरिए आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

भव्य अन्नकूट उत्सव २०२६



मुंबई। योगी डिवाइन सोसायटी द्वारा संचालित अक्षरधाम स्वामीनारायण मंदिर, पवई- मुंबई का नूतन वर्ष वि. सं. २०८३ का अन्नकूट महोत्सव सुबह १० से १२ दौरान १००० व्यंजनो का भोग कलात्मक रूप से ठाकुरजी समक्ष रखा गया। इस भव्य उत्सव में पवई के संतभाई प.पू. भरतभाई, प.पू. वशीभाई, अन्य संतभाईयों, प.पू. माधुरी बहन तथा संतबहनों और देश - विदेश से करीब ८०० और ऑनलाइन ४०० हरिभक्तों ने इस महा दर्शन का लाभ लिया। घाटकोपर के MLA राम कदम, पवई के स्थानिक कॉरपोरेट तथा समाज सेवक चंदन शमार्जी, बीजेपी प्रोफेशनल सेल तथा भारतीय जनता पार्टी के CA शैलेश घेड़ियाजी, चैरिटी कमिश्नर श्रीमती सुवर्णा जोशीजी, सिनियर एडवोकेट अतुलभाई देसाई और ऐडवोकेट शैलेश जाधवजी और अन्य कई महानुभावों की विशेष उपस्थिति में यह भव्य उत्सव हुआ। अंत में अन्नकूट की आरती के बाद सभी ने महाप्रसाद का लाभ भी लिया।